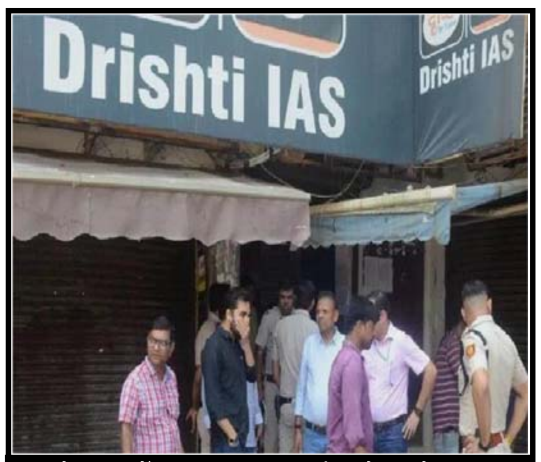

लोकसभा में आम बजट पर चर्चा करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जिस तरह अपना यह पुराना आरोप नए सिरे से दोहराया कि बजट बनाने वालों में कोई एससी-एसटी और ओबीसी अधिकारी नहीं होता

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:229 दिनांक:30-07-2024 मंगलवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

राजेंद्र नगर में हुई घटना के बाद दिल्ली नगर निगम (MCD) लगातार एक्शन में है। पिछले दो दिनों में एमसीडी ने 13 से अधिक बेसमेंट में चल रही लाइब्रेरी और कोचिंग संस्थानों को सील कर दिया है।

बजट में मिडिल क्लास की छाती और पीठ में छुरा घोंपा गया - राहुल गांधी

राहुल गांधी ने लोकसभा में टैक्स टेररिज्म का किया जिक्र, कहा

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने किसान, पेपर लीक, देश में फैले डर, बजट और टैक्स से जुड़े मुद्दों पर मोदी सरकार को घेरा। राहुल ने बोलते हुए कहा कि देश में डर का माहौल है, यह डर पूरे देश में फैला हुआ है। भाजपा के अंदर लोग डरे हुए हैं, मंत्री डरे हुए हैं और देश के किसान डरे हुए हैं। राहुल गांधी ने इसके बाद अभिमन्यु से जड़ी प्राचीन घटना का जिक्र करते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हजारों साल पहले हरियाणा में अभिमन्यु को 6 लोगों ने चक्रव्यूह में मारा था। चक्रव्यूह के अंदर डर और हिंसा होती है और अभिमन्यु को उसमें फंसाकर 6 लोगों ने मारा।

उन्होंने कहा कि मैंने चक्रव्यूह के बारे में रिसर्च की और पता लगा कि इसका एक दूसरा नाम होता है- पद्मव्यू , जो कमल के फूल के आकार का होता है।

21वीं सदी में नया चक्रव्यूह

राहुल गांधी ने आगे कहा कि इक्कीसवीं सदी में एक नया चक्रव्यूह आया है, वो भी कमल के आकार का है। जिस चक्रव्यूह में अभिमन्यु को फंसाया गया था, वहीं हिंदुस्तान की जनता के साथ हो रहा है। वही हिन्दुस्तान के युवाओं, किसानों, माताओं-बहनों, स्माल और मीडियम बिजनेस के साथ किया जा रहा है। इस चक्रव्यूह का चिन्ह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी छाती पर लेकर चलते हैं। महाभारत वाले चक्रव्यूह को 6 लोग द्रोणाचार्य, कर्ण, कृर्पाचार्य, कृतवर्मा, अश्वधामा और शकुनी कंट्रोल कर रहे थे और आज भी 6 लोग कंट्रोल कर रहे हैं, जिसमें नरेंद्र मोदी जी, अमित शाह जी, मोहन भागवत जी, अजित डोवाल जी, अंबानी और अडानी जी हैं।

इंडिया ब्लॉक की गारंटी, एमएसपी लागू करके रहेंगे

हम चाहते थे जो अन्नदाता है जो सरकार से एमएसपी मांग रहा है। हमें लगता था सरकार बजट में इसका प्रावधान कर देती तो जो किसान चक्रव्यूह में फंसे हैं वे निकल पाते। आपने नहीं किया तो मैं यहां इंडिया ब्लॉक की तरफ से गारंटी देता हूं कि हम इस सदन में पास करके आपको देंगे।

किसानों को मिलने के लिए अंदर आने नहीं दिया गया

राहुल ने कहा- किसानों को आपने बॉर्डर पर रोक दिया। वो मुझसे मिलने आए, आप उनको अंदर नहीं आने देते। हुआ क्या, वहां पर कुछ किसान आए। मुझे बताया गया कि उन्हें अंदर नहीं आने देंगे। जब मैं गया तब आने दिया गया। फैक्ट ये है जब मीडिया के साथ गया तब संसद के दरवाजे खुले उसके पहले बंद थे। बिरला बोले- किसे आने दें किसे नहीं ये फैसला स्पीकर करते हैं। दूसरा आपकी मौजूदगी में कोई दूसरा बाइट नहीं दे सकता।

राहुल ने अग्निवीर, पेपर लीक और किसानों के मुद्दे उठाए

राहुल बोले- पेपर लीक के बारे में वित्त मंत्री ने एक शब्द नहीं कहा। युववाओं के लिए सबसे जरूरी मुद्दा है, उसके बारे में एक शब्द नहीं कहा। दूसरी तरफ, पहली बार सेना के जवानों को आपने अग्निवीर के चक्रव्यूह में फंसाया। इस बजट में एक पैसा उनकी पेंशन के लिए नहीं है। बजट में आपने एक रूपया नहीं दिया। तो उनको आपने अग्निवीर के चक्रव्यूह में फंसाया। उसके बाद जो अन्नदाता है, उनके लिए तीन काले कानून बनाए।

देश के 99 प्रतिशत युवाओं के पास काम नहीं

वित मंत्री बैठी हैं, युवाओं के लिए क्या किया। बजट में इंटर्नशिप प्रोग्राम की बात की। शायद ये मजाक है। आपने कहा हिंदुस्तान की 5 सबसे बड़ी कंपनियों में काम मिलेगा। लेकिन 99 प्रतिशत युवाओं के लिए नहीं है।

ओम बिरला ने राहुल को टोका, तो बोले- अंबानी-अडाणी को निकाल देता हूं

ओम बिरला- मैं नेता प्रतिपक्ष से अपेक्षा करता हूं कि वे नियमों का पालन करें। इस पर राहुल ने कहा- अगर आप कहते हैं तो मैं अंबानी - अडाणी का नाम लिस्ट से निकाल देता हूं। चक्रव्यूह जो भारत को घेरे हुए है। इसमें तीन ताकतें लगी हैं। पहला फाइनेंशियल पॉवर, दूसरा- एजेंसी की शक्ति।

21वीं सदी में दूसरा चक्रव्यूह, उसका आकार लोटस जैसा है

मैंने रिसर्च की तो पाया कि चक्रव्यूह का दूसरा मतलब भी होता है। 21वीं सदी में दूसरा चक्रव्यूह भी बना है उसका आकार भी लोटस जैसे है। उसे पीएम अपनी छाती पर लगाकर चलते हैं। जो अभिमन्यु के साथ हुआ वही हिंदुस्तान के साथ हो रहा है। आज भी चक्रव्यूह के बीच 6 लोग हैं। बिलकुल सेंटर में। जैसे उस वक्त 6 लोग कंट्रोल करते थे, वैसे ही आज भी कर रहे हैं। मोदीजी, अमित शाह, भागवत जी, अंबानी, अडाणी।

भाजपा में केवल एक आदमी को पीएम बनने का सपना

मेरे दोस्त हंस रहे हैं, लेकिन वे भी डरे हुए हैं। भाजपा में केवल एक आदमी को पीएम बनने का सपना देखने का अधिकार है। क्यों मेरे भाजपा के दोस्त, मंत्री, युवा डरे हुए हैं। इसके बारे में मैंने सोचा और एक जवाब देता हूं। हजारों साल पहले हरियाणा कुरुक्षेत्र में अभिमन्यु को 6 लोगों ने चक्रव्यूह में फंसाकर मारा था। चक्रव्यूह के अंदर डर होता है, हिंसा होती है। उसे चक्रव्यूह में फंसा 6 लोगों ने मारा था।

9वीं, 10वीं और 11वीं के आधार पर बनेगा 12वीं का रिजल्ट

-केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को सौंपी गई रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि 12वीं कक्षा में अंतिम अंक देते समय कक्षा 9वीं, 10वीं और 11वीं में एक छात्र के प्रदर्शन पर विचार होना चाहिए। देश भर के स्कूल बोर्डों द्वारा मूल्यांकन को मानकीकृत करने के उद्देश्य से एनसीईआरटी की एक इकाई, परख के प्रस्ताव में सुझाव दिया गया है कि कक्षा 12वीं के रिपोर्ट कार्ड में परीक्षा और निरंतर क्लासवर्क के आधार पर तीन कक्षाओं में प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

परख रिपोर्ट में 12वीं के रिजल्ट में 9वीं की 15 प्रतिशत, कक्षा 10वीं की 20 प्रतिशत और कक्षा 11वीं की 25 फीसदी वेटेज की कही गई है।

सूत्रों ने कहा कि इस रिपोर्ट को फीडबैक के लिए सभी स्कूल बोर्डों के साथ साझा किया जाएगा। दरअसल, पिछले हफ्ते हरियाणा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और बिहार के अधिकारियों के साथ पहले दौर की चर्चा हुई थी।

बैठक में राज्यों ने तर्क दिया कि कक्षा 9, 10 और 11 के प्रदर्शन को अंतिम कक्षा 12 के रिपोर्ट कार्ड में एकीकृत करने के बजाय, कक्षा 9 से 40 प्रतिशत स्कोर और कक्षा 10 से 60 प्रतिशत को अंतिम कक्षा 10 के स्कोर में योगदान देना चाहिए। इसतरह कक्षा 11 के स्कोर का 40 प्रतिशत और कक्षा 12 का 60 प्रतिशत अंतिम कक्षा 12 के स्कोर में योगदान देना चाहिए।

यूपी-एमपी में नदियां उफान पर

देश के 15 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बारिश देश के कई राज्यों में आफत बन गई है। कहीं बाढ़ तो कहीं भूस्खलन से लोगों की जानें जा रही ही हैं। वहीं हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में रविवार देर रात हुई तेज बारिश से लैंडस्लाइड हो गया। चंडीगढ़-शिमला नेशनल हाईवे-5 पर पहाड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, तीन घायल हो गए। राज्य में अलग-अलग जगह लैंडस्लाइड के चलते 80 से ज्यादा सड़कें बंद हो गई हैं।

इसके अलावा किन्नौर जिले में बादल फटा गया। इससे इलाके में तेज बारिश हो रही है। घरों में पानी घुस गया है। वहीं यूपी के ललितपुर में बारिश से बाढ़ जैसे हालत बन गए हैं। राजघाट बांध के आठ और माताटीला बांध के 20 गेट खोले दिए गए हैं। इसके चलते बेतवा नदी उफान पर आ गई है। नदी किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

उधर, मध्य प्रदेश में भी तेज बारिश का दौर जारी है। प्रदेश में अब तक सामान्य से सात फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। यहां नर्मदा नदी उफान पर बह रही है। कोलार, बरगी, सतपुड़ा समेत कई डैम के गेट खोल दिए गए हैं और पानी छोड़ा जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग ने आज यानी सोमवार को 15 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

भारी बारिश 13 राज्य, 4 केंद्र शासित प्रदेश में हो सकती मध्य प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, कर्नाटक, केरल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, अंडमान-निकोबार। 30 जुलाई को नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, यूपी, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात में भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

उज्जैन में शिप्रा नदी में मंदिर डूबे

मध्यप्रदेश के उज्जैन में शिप्रा नदी के तट पर मंदिर डूब गए हैं। शाजापुर में बाढ़ आ गई है, जिससे घर और दुकानों में पानी भर गया है। सोमवार को जबलपुर समेत आठ जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को तेज या भारी बारिश का दौर थमा रहेगा, लेकिन 31 जुलाई से प्रदेश में फिर मौसम एक्टिव होगा। इससे पूरा प्रदेश तरबतर हो जाएगा। प्रदेश के पश्चिमी हिस्से- भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, ग्वालियर-चंबल संभाग में एवरेज से 10फीसदी ज्यादा पानी गिर चुका है, जबकि पूर्वी हिस्से- रीवा, सागर, जबलपुर और शहडोल संभाग में 4फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। पूर्वी हिस्से सिवनी, डिंडौरी, छिंदवाड़ा, मंडला और बालाघाट में सबसे ज्यादा बारिश हुई है।

दिल्ली कोचिंग सेंटर मामले की जांच के लिए गृह मंत्रालय ने समिति का गठन किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। गृह मंत्रालय ने नई दिल्ली के पुराने राजिंदर नगर में एक कोचिंग सेंटर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जांच के लिए एक समिति का गठन किया है। समिति तीन छात्रों की हुई मौत के कारणों की जांच करेगी। इसके साथ इस मामले की जिम्मेदारी तय करेगी। वह उपाय भी सुझाएगी और नीति में बदलाव की सिफारिश करेगी। इस समिति में अतिरिक्त सचिव, प्रमुख सचिव (गृह), दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर, अग्निशमन के सलाहकार होंगे। गृह मंत्रालय के ज्वाइंट सेक्रेटरी संयोजक के रूप में होंगे। यह समिति 30 दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

बायोमेट्रिक बना छात्रों के लिए काल, हादसे के समय नहीं खुला गेट; अधिकतर कोचिंग सेंटर का यही हाल

नई दिल्ली :स्टडी सेंटर में यूपीएससी की तैयारी करने वाले छात्र मनीष कुमार ने बताया कि 27 जुलाई को जो हुआ उसकी कभी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। किसी छात्र ने कभी सोचा भी नहीं होगा कि बायोमैट्रिक दरवाजे भी उनके लिए खतरा हो सकते हैं।

राजेंद्र नगर के स्टडी सेंटर में पानी भरना शुरू हुआ तो बेसमेंट के दरवाजे पर लगा बायोमेट्रिक डोर फेल हो गया। दरअसल पानी भरते ही स्टडी सेंटर की बत्ती गुल हो गई। अंधेरे और पानी के बीच छात्रों ने निकलने की कोशिश की, लेकिन वह अंदर ही फंस गए। बेसमेंट में आने और जाने के लिए दो जीने बने हुए हैं। कुछ ने दूसरे रास्ते की ओर जाने का प्रयास किया तो वह अंधेरे में फंस गए।

इस बीच सामने की ओर लगा कांच का दरवाजा टूट गया और छात्रों ने वहां से भागकर जान बचाई। यूपीएससी की तैयारी कर रहे छात्रों का आरोप है कि पूरे ही राजेंद्र नगर के ज्यादातर कोचिंग सेंटरों में बायोमेट्रिक डोर से एंट्री है। किसी भी हादसे के समय यह डोर बड़ी मुसीबत बन सकते हैं, राव आईएएस स्टडी सेंटर वाले हादसे में ऐसा ही हुआ।

स्टडी सेंटर में यूपीएससी की तैयारी करने वाले छात्र मनीष कुमार ने बताया कि 27 जुलाई को जो हुआ उसकी कभी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। किसी छात्र ने कभी सोचा भी नहीं होगा कि बायोमैट्रिक दरवाजे भी उनके लिए खतरा हो सकते हैं। शनिवार को बेसमेंट में पानी आया तो शीशे का दरवाजा जाम हो गया और छात्र अंदर ही फंस गए।

मनीष का कहना था कि बायोमेट्रिक के विकल्प पर विचार किया जाना चाहिए। ज्यादातर इमारतों में बेसमेंट के अलावा ऊपर की मंजिलों पर जाने के लिए इसी तरह के दरवाजे लगे हुए हैं। इन इमारतों में एसी लगा होने की वजह से बालकनी की भी व्यवस्था नहीं है। ऐसे में हादसे के समय छात्रों के फंसने की पूरी आशंका है।

अन्य छात्र पुनीत ने बताया कि एरिया की लगभग 80 फीसदी इमारतों में इसी तरह के इंतजाम हैं। इमारतों को लाइसेंस देने वाली सिविक एजेंसियों को इस ओर ध्यान देकर सभी इमारतों की जांच करनी चाहिए। कोचिंग सेंटर छात्रों से मोटी फीस लेकर उनकी मजबूरियों को फायदा उठाते हैं। चाहकर भी कोचिंग सेंटरों के खिलाफ शिकायत नहीं की जाती।

दूसरी ओर दमकल विभाग के डिविजनल ऑफिसर मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि बेसमेंट के मेन गेट पर लगा दरवाजा पानी की रफ्तार से टूट गया। उनकी टीम जब पहुंची तो दरवाजा टूट चुका था। वहीं मामले पर मध्य जिला पुलिस उपायुक्त एम हर्षवर्धन ने बताया कि यहां बायोमेट्रिक दरवाजा था या नहीं इसकी फॉरेंसिक जांच की जा रही है।

बिहार में कोटा बढ़ाने का फैसला अभी रद्द रहेगा

हाईकोर्ट के फैसले पर तुरंत रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, सरकार ने लगाई है अर्जी

पटना (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पटना हाई कोर्ट के उस फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसमें बिहार सरकार के 65 प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले को रद्द कर दिया गया था।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट फैसले के खिलाफ बिहार सरकार की याचिका पर सुनवाई को तैयार हो गया है। इस पर सितंबर में सुनवाई होगी। राज्य सरकार ने शिक्षण संस्थानों और सरकारी नौकरियों में एससी-एसटी, ओबीसी और ईबीसी को 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी आरक्षण देने का फैसला लिया था। इस फैसले को पटना हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने आरक्षण बढ़ाने के फैसले को 20 जून को रद्द कर दिया था। इस फैसले के खिलाफ बिहार सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर सोमवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्ण ने केजरीवाल और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से पेश वकीलों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। सीबीआई ने मामले में केजरीवाल की जमानत याचिका का विरोध करते हुए उन्हें आबकारी घोटाले का 'सूत्रधार बताया और कहा कि अगर उन्हें रिहा किया जाता है तो वह गवाहों के प्रभावित कर सकते हैं।

सीबीआई की ओर से पेश अधिवक्ता डीपी। सिंह ने कहा ''उनकी गिरफ्तारी के बगैर जांच पूरी नहीं की जा सकती थी। हमने एक महीने के अंदर आरोप पत्र दायर किया। इससे पहले दिन में सीबीआई ने मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक दुर्गेश पाठक समेत पांच अन्य के खिलाफ निचली अदालत में अपना अंतिम आरोपपत्र दाखिल किया। केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि उन्हें जेल में ही रखने के मकसद से यह गिरफ्तारी की गई थी।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल के खिलाफ कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं है और जांच एजेंसी ने उन्हें अनुमानों और कल्पनाओं के आधार पर गिरफ्तार किया था।

सुप्रीम कोर्ट ही नहीं, देश की 23 हाईकोर्ट में भी पेंडिंग मुकदमों का बोझ बढ़ा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संसद में बताया कि पिछले पांच सालों में सुप्रीम कोर्ट में लंबित मुकदमों का बोझ 35फीसदी तक बढ़ गया है। 2019 में 59 हजार 859 मुकदमे पेंडिंग थे जो 2023 में बढ़कर 80 हजार 765 हो गए। पिछले पांच सालों में 20 हजार 900 से ज्यादा नए मामले पेंडिंग हो गए। भले ही सभी जजों की नियुक्ति हो चुकी है लेकिन इससे सुप्रीम कोर्ट पर दबाव बढ़ गया है।

सुप्रीम कोर्ट ही नहीं, देश की 23 हाईकोर्ट में भी मुकदमों का बोझ ज्यादा ही है। 2019 में जहां 46.8 लाख मुकदमे पेंडिंग थे, वहीं 2023 में यह संख्या बढ़कर 62 लाख हो गई। 15 लाख से ज्यादा नए मामले जुड़ गए और 33फीसदी की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा मुकदमे निचली अदालतों में पेंडिंग हैं। 2023 में यह संख्या 4.4 करोड़ थी। सरकार द्वारा दी जानकारी के मुताबिक 2019 में निचली अदालतों में 3.2 करोड़ मुकदमे पेंडिंग थे। 1.2 करोड़ से ज्यादा नए मामले जुड़ गए हैं और 38फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

हाईकोर्ट ने अफजाल अंसारी की सजा पर रोक लगाई, सांसदी नहीं जाएगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। गाजीपुर से सपा सांसद अफजाल अंसारी की सजा पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने गैंगस्टर मामले में अफजाल अंसारी को दी गई सजा पर रोक लगाने का फैसला सुनाया है। गौरतलब है कि एमपी एमएलए कोर्ट ने अफजाल को 4 साल की सजा सुनाई थी। अफजाल ने गैंगस्टर मामले में दी गई सजा को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। सजा को रद्द करने के लिए आपराधिक अपील दायर की गई थी। जस्टिस संजय कुमार सिंह की बेंच ने मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने 4 जुलाई को सजा सुरक्षित रखी थी मुख्तार अंसारी के भाई और गाजीपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी ने 2005 में भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की हत्या से जुड़े गैंगस्टर एक्ट के एक मामले में ट्रायल कोर्ट द्वारा उन्हें दी गई चार साल की सजा को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इस पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद 4 जुलाई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस संजय कुमार सिंह ने गैंगस्टर एक्ट के तहत चार साल कैद की सजा के खिलाफ गाजीपुर के सपा सांसद अफजाल अंसारी की आपराधिक अपील और सजा बढ़ाने की राज्य सरकार की अपील तथा दिवंगत विधायक कृष्णानंद राय के बेटे पीयूष राय की पुनरीक्षण याचिका पर लंबी सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

रूसी सेना में काम कर रहे 10 भारतीय लौटेंगे

-पीएम मोदी ने पुतिन के सामने उठाया था नागरिकों की रिहाई का मुद्दा

मास्को (ईएमएस)। रूसी सेना में काम कर रहे 10 भारतीय नागरिक जल्द ही भारत लौटेंगे। ये जानकारी केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने सपा सांसद धर्मेंद्र यादव द्वारा संसद में पूछे गए सवाल के जवाब में दी है। उन्होंने बताया कि रूसी सेना में काम कर रहे 10 भारतीयों के रूसी सशस्त्र बलों ने छोड़ दिया है। मंत्री ने बताया कि रूस की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द रिहा का मुद्दा उठाया था। विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों से युद्ध क्षेत्र से दूर रहने की अपील की है।

भारत में रूस के राजनयिक रोमन बबुश्किन ने कहा था कि इस मामले पर रूस, भारत सरकार के साथ है। हमें भारतीय सैनिकों की जरूरत नहीं है। रूसी सेना में शामिल भारतीयों की संख्या 50 से 100 के बीच बताई जाती है। बबुश्किन ने बताया कि इन लोगों को एजेंट्स के द्वारा धोखाधड़ी के जरिए सेना में शामिल कराया गया था। ये एजेंट्स आपराधिक गतिविधियों में शामिल होते हैं। वे अवैध तरीके से लोगों को लाकर सेना में शामिल कराते हैं।

हरियाणा की खापों में प्रेम विवाह पर बहस छिड़ी

चंडीगढ़ (ईएमएस)। हरियाणा में विधानसभा चुनावों से पहले एक बार फिर प्रेम विवाह लिव इन रिलेशनशिप और समलैंगिक विवाह पर बहस छिड़ गयी है। जींद में खाप पंचायतों की बैठक के बाद नेताओं ने कहा कि प्रेम विवाह में माता पिता की शर्त जरूरी है क्योंकि कोई भी माता पिता अपने बच्चों का गलत नहीं चाहते हैं। जींद में बिनैन खाप के मुखिया रघुबीर नैन ने कहा कि हम खाप प्रेम विवाह के खिलाफ नहीं हैं लेकिन माता-पिता की सहमति बहुत जरूरी है।

रघुबीर नैन ने कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप और समलैंगिक विवाह पर भी रोक लगनी चाहिए। हम इन मुद्दों को उठाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी से मिलेंगे और मौजूदा सरकार पर दबाव बनाने के लिए विपक्ष के नेताओं से भी मिलेंगे। अगर हमारी मांगों और हिंदू कोड बिल में संशोधन पेश नहीं किया गया तो हम विरोध प्रदर्शन करेंगे। खाप पंचायतों की बैठक में तीनों मुद्दों पर सर्वसम्मति दिखाई दी। खाप नेता इन मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। जींद में बैठक के बाद खाप नेताओं ने इसके संकेत दिए। हरियाणा में खाप पंचायतों के मीटिंग ऐसे वक्त पर हुई है जब राज्य में बारिश का मौसम खत्म होते ही विधानसभा चुनाव होने हैं। खाप पंचायतें पहले भी प्रेम विवाह का विरोध करती आई हैं। अब उन्होंने माता-पिता की मंजूरी का जरूरी और समान गोत्र में शादी को प्रतिबंधित करने की मांग की है। गौरतलब है कि हरियाणा कई जिलों में खाप पंचायतों का काफी प्रभाव है।

महाराष्ट्र के जंगल में जंजीरों से बंधी हुई मिली अमेरिकी महिला, पति ने बांधा जंजीरों में?

नई दिल्ली (ईएमएस)। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के एक जंगल में 50 वर्षीय महिला लोहे की जंजीर से पेड़ से बंधी मिली। उसके पास से अमेरिकी पासपोर्ट की फोटो कॉपी के साथ-साथ तमिलनाडु के पते वाला आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि मुंबई से करीब 450 किलोमीटर दूर सोनुरली गांव में एक चरवाहे ने महिला की चीखने की आवाज सुनी और उसे जंजीरों में जकड़ा हुआ देखकर पुलिस को सूचना दी। अब इस मामले का संज्ञान अमेरिकी दूतावास ने लिया है। अमेरिकी दूतावास ने भारत सरकार से त्वरित जांच करने का अनुरोध किया है। वहीं जांच को अब साइबर सेल को सौंप दिया गया है।

अधिकारी ने बताया, ''महिला को बेहतर उपचार के लिए गोवा मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। उन्होंने बताया, ''उसका उपचार करने वाले चिकित्सकों ने बताया कि महिला मानसिक समस्याओं से ग्रस्त है। हमें उसके पास से मेडिकल पर्चा मिला है। महिला फिलहाल खतरे से बाहर है। महिला के पास बरामद आधार कार्ड बरामद किया गया है जिस पर तमिलनाडु का पता है, उसके पास से उसके अमेरिकी पासपोर्ट का फोटोकॉपी भी मिला है। उसका वीजा समाप्त हो चुका है। महिला की पहचान तमिलनाडु की रहने वाली ललिता काई के तौर पर हुयी है। लगता है कि तमिलनाडु के रहने वाले वाले उसके पति ने उसे वहां बांधा और भाग गया।

मेधा पाटकर की जेल की सजा पर रोक

साकेत कोर्ट से जमानत मिली

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की साकेत कोर्ट ने सोशल वर्कर और नर्मदा बचाओ आंदोलन की प्रमुख मेधा पाटकर की 5 महीने की जेल की सजा पर रोक लगा दी है। साथ ही मानहानि केस में दिल्ली एलजी वीके सक्सेना को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मेधा ने 1 जुलाई के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। जिसमें मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट राघव शर्मा ने उन्हें मानहानि का दोषी पाया था। साथ ही मुआवजे के रूप में 10 लाख रुपए का एलजी सक्सेना को भुगतान करने का निर्देश दिया था। साकेत कोर्ट ने सोमवार को 25 हजार बेल बांड पर मेधा पाटकर को जमानत भी दे दी है। मामले की अगली सुनवाई 4 सितंबर को होगी।

भारत को 30 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने की जरूरत: नीति आयोग

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य प्राप्त करने के ?लिए हर संभव कोशिश कर रही है। नीति आयोग ने ?विजन फार ?विक?सित भारत एट द रेट 2047: एन एप्रोच पेपर नाम का पेपर रिलीज किया। इस पेपर में आयोग ने कहा कि भारत को 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए 18,000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति आय करने की आवश्यकता है। इसके अलावा भारत को मिडल-इनकम ट्रैप से भी निकलने की जरूरत है। नीति आयोग के दस्तावेज के अनुसार प्रति व्यक्ति आय के साथ जीडीपी ग्रोथ पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। अगर विकसित भारत बनाना है तो जीडीपी को आज के 3.36 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से नौ गुना बढ़ाना होगा। वहीं प्रति व्यक्ति आय को आज के 2,392 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष से 8 गुना बढ़ाना होगा। दस्तावेज के अनुसार मिड-इनकम से हाई-इनकम लेवल तक पहुंचने के लिए 20-30 वर्षों तक 7-10 प्रतिशत की सीमा में निरंतर वृद्धि की आवश्यकता है। इस मामले में बहुत कम देश ही कामयाब हुए हैं। विकसित भारत एक ऐसा भारत है जिसकी सामाजिक, सांस्कृतिक, तकनीकी और संस्थागत विशेषताएं इसे एक समृद्ध विरासत के साथ एक विकसित राष्ट्र के रूप में चिह्नित करेंगी। विकसित भारत बनने के लिए देश को विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स में क्षमताओं को उन्नत करना और ग्रामीण और शहरी आय के बीच अंतर को कम करने जैसे संरचनात्मक चुनौतियों से निपटने की जरूरत है।

खैबर पख्तूनख्वा में दो कबाइली समूहों में संघर्ष, 36 की मौत, 162 जख्मी

करांची,(ईएमएस)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में जमीन के एक टुकड़े के लिए दो कबाइली समूहों में भीषण संघर्ष हुआ जिसमें कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई और करीब 162 घायल हो गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि कुर्रम जिले के बोशेरा गांव में पांच दिन पहले भीषण संघर्ष हुआ। इस गांव में पहले भी जनजातियों और धार्मिक समूहों के बीच संघर्ष के साथ-साथ सांप्रदायिक झड़पें और आतंकवादी हमले हो चुके हैं। पुलिस ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में पिछले पांच दिन में जनजातीय संघर्ष में 36 लोग की मौत हो गई और करीब 162 घायल हुए हैं। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि आदिवासी बुजुर्गों, सैन्य नेतृत्व, पुलिस और जिला प्रशासन की मदद से कुछ समय पहले बोशेरा, मलिकेल और डंडार इलाकों में कबाइली जनजातियों के बीच समझौता कराया गया था। हालांकि, जिले के कुछ अन्य हिस्सों में गोलीबारी अभी भी जारी है। वहीं, एक अधिकारी ने बताया कि अन्य इलाकों में भी संघर्षविराम के प्रयास किए जा रहे हैं।

जीएसटी चोरी मामले में पूर्व सीएस पर एफआईआर

हैदराबाद (ईएमएस)। हैदराबाद पुलिस के सेंट्रल क्राइम स्टेशन ने जीएसटी एक्ट के कथित उल्लंघन पर पूर्व मुख्य सचिव सोमेश कुमार और कॉमर्शियल टैक्स विभाग के दो वरिष्ठ अधिकारियों सहित पांच के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, 11 मामलों के शुरुआती वैरिफिकेशन में 400 करोड़ रुपये से ज्यादा की चोरी सामने आई है, जिसे आईआईटी-हैदराबाद ने छुपाया था। एफआईआर में ऐसे ही एक और मामले में तेलंगाना स्टेट बेवरेजेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड शामिल है। पुलिस ने कहा कि इसके अलावा, राज्य में धोखाधड़ी के मामलों में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की चोरी का खुलासा हुआ।

दिल्ली हाई कोर्ट ने बाबा रामदेव को दिया झटका

कोरोनिल दवा पर वापस लेना होगा दावा

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को योग गुरु रामदेव को निर्देश दिया कि वे 3 दिन के भीतर अपनी सार्वजनिक टिप्पणी वापस लें, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि कोरोनिल कोविड-19 का इलाज है, न कि केवल एक प्रतिरक्षा बूस्टर और साथ ही कोविड के खिलाफ एलोपैथी की प्रभावकारिता पर भी सवाल उठाया था।

2021 में, डॉक्टरों के संघों ने रामदेव, उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। मुकदमे के अनुसार, रामदेव ने कोरोनिल के कोविड-19 के इलाज होने के संबंध में निराधार दावे किए थे, जो कि दवा को केवल इम्यूनो-बूस्टर होने के लिए दिए गए लाइसेंस के विपरीत था। डॉक्टरों ने रामदेव और अन्य को इसी तरह के और बयान देने से रोकने के लिए निर्देश मांगा था।

याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि रामदेव द्वारा बेचे जाने वाले उत्पाद की बिक्री को बढ़ाने के लिए एक गलत सूचना अभियान और एक मार्केटिंग रणनीति थी, जिसमें कोरोनिल भी शामिल है, जो कोविड-19 के लिए एक वैकल्पिक उपचार होने का दावा करता है। 27 अक्टूबर, 2021 को, उच्च न्यायालय ने मुकदमे पर रामदेव और अन्य को समन जारी करते हुए कहा कि मामला निश्चित रूप से बनता है। डॉक्टरों ने आरोप लगाया था कि रामदेव, एक अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति, न केवल एलोपैथिक उपचारों बल्कि कोविड-19 टीकों की सुरक्षा और प्रभावकारिता के बारे में आम जनता के मन में संदेह पैदा कर रहे थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि गलत सूचना अभियान कुछ और नहीं बल्कि रामदेव द्वारा बेचे जाने वाले उत्पाद की बिक्री को आगे बढ़ाने के लिए एक विज्ञापन और विपणन रणनीति थी, जिसमें कोरोनिल भी शामिल है, जिसे उन्होंने कोविड-19 के लिए एक वैकल्पिक उपचार होने का दावा किया था। 12 जुलाई को, उत्तर प्रदेश में गौतम बुद्ध नगर प्रशासन ने दिव्य फार्मेसी और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड द्वारा निर्मित 14 आयुर्वेदिक दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। शीर्ष अदालत ने 9 जुलाई को पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड को एक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया, जिसमें बताया गया कि क्या उसके 14 उत्पादों के विज्ञापन, जिनके विनिर्माण लाइसेंस शुरू में निलंबित कर दिए गए थे, लेकिन बाद में बहाल कर दिए गए, वापस ले लिए गए हैं।

जन हितैषी

आयकर विभाग के आंकड़ों ने खोली अमीर, मध्यम वर्ग और गरीबों की कलई

आयकर विभाग के जो ताजा आंकड़े जारी हुए हैं। उसने भारत की अर्थव्यवस्था की कलई खोल कर रख दी है। भारत की आबादी लगभग 140 करोड़ बताई जा रही है। एक परिवार में चार से पांच लोग होते हैं। इस हिसाब से लगभग 30 करोड़ परिवार भारत में हैं। सरकार अर्थव्यवस्था बड़ी तेजी के साथ बढ़ने की बात कर रही है। हकीकत आयकर विभाग ने खोल दी है। 2021 में एक करोड़ रुपए से ज्यादा कमाने वाले लोगों की संख्या 1 लाख, 46 हजार थी। 2022 में 1 लाख, 93 हजार, 2023 में 2 लाख, 69 हजार तथा 2024 में 3 लाख, 49 आयकर दाताओं ने अपनी आय 1 करोड रुपए या इससे ज्यादा की बताई है। 50 लाख से एक करोड़ रुपए के बीच आय बताने वालों की संख्या 2021 में 2 लाख, 25 हजार, 2022 में 2 लाख, 88 हजार, 2023 में 3 लाख, 81 हजार तथा 2024 में 5 लाख, 44 हजार आयकर दाताओं ने अपनी विवरणी भरी है। 10 लाख से 20 लाख रुपए के बीच आय वालों की संख्या 2021 में 33 लाख, 32 हजार, 2022 में 38 लाख, 27 हजार, 2023 में 47 लाख, 30 हजार तथा 2024 में 65 लाख, 4 हजार आयकरदाताओं ने अपनी आयकर की रिटर्न भरी है। 5 से 10 लाख रुपए तक की आय वालों की संख्या 2021 में 99 लाख, 36 हजार थी। जो 2024 में बढ़कर एक करोड़, 41 लाख हुई है। भारत में सालाना 50000 रूपये से कम कमाने वालों की संख्या 5 करोड़, 68 लाख थी। जो 2023-24 में 6 करोड़, 02 लाख पर पहुंची है। भारत के 7 करोड़ परिवारों की आय 50000 रूपये की है। बाकी 23 करोड़ परिवारों की आय 50000 रूपये वार्षिक की भी नहीं है। यह भारत की आर्थिक स्थिति को दर्शाती है।

आयकर विभाग के जो आंकड़े सामने आए हैं। उसमें सरकारी विभागों में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल हैं। भारत के सभी वर्गों के लोग इसमें शामिल हैं। 50 लाख से एक करोड़ रुपए कमाने वालों की संख्या भारत में मात्र 9 लाख है। 20 से 50 लाख रुपए के बीच वार्षिक आय वालों की संख्या मात्र 28 लाख है। 10 से 20 लाख रुपए कमाने वालों की संख्या मात्र 65 लाख है। भारत में 5 लाख से 10 लाख रुपए कमाने वालों की संख्या एक करोड़, 41 लाख है। 140 करोड़ की आबादी में 10 लाख रूपये से अधिक कमाने वालों की संख्या मात्र एक करोड़ है। आयकर विभाग में सभी सरकारी अधिकारी, मंत्री, संत्री, नेता और कारोबारी शामिल हैं। 5 से 10 लाख रुपए कमाने वालों की संख्या जरूर एक करोड़, 41 लाख है। 2022-23 में एक करोड़ दो लाख लोगों ने 5 लाख से कम आय की रिटर्न भरी थी। जो इस बार घटकर मात्र 60 लाख, 50 हजार रह गए हैं। इसका मतलब है, उनकी आय पूर्व वर्ष की तुलना में घट गई है। भारत सरकार अर्थव्यवस्था को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है। आयकर विभाग में आयकर दाताओं ने जो रिटर्न दाखिल की है। उसमें सरकार के दावे ओर वास्तविक स्थिति में बड़ा विरोधाभास है। निम्न मध्यम वर्ग परिवार की आय पहले की तुलना में कम हुईं है। इस बार जो रिटर्न भरी है। उसमें उनकी आय घटी है। आयकर विभाग के इन आंकड़ों को देखें तो 50 लाख से एक करोड़ रुपए कमाने वाले लोगों की संख्या देश में मात्र 3,49,000 है। वहीं 50000 रूपये वार्षिक से कम कमाने वालों की संख्या 6 करोड़ से अधिक है। भारत सरकार दावा करती है, भारत की अर्थव्यवस्था तेजी के साथ बढ़ रही है। इसका लाभ कुछ चुनिंदा लोगों को ही मिल रहा है। उनकी आय और संपत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। ऐसे लोग बड़े-बड़े कॉर्पोरेट हैं। जिनमें अडानी, अंबानी, टाटा, बिरला जैसे परिवार आते हैं। आम औसत लोंगो की आय लगातार कम होती जा रही है। आयकर विभाग के आंकड़ों से तो यही स्पष्ट हो रहा है। अंबानी ने अभी अपने बेटे अनंत की शादी की है। दो प्री वेडिंग और शादी का कार्यक्रम देश विदेश में किया। इसमें 5000 करोड़ से ज्यादा रुपए खर्च किए हैं। अब हनीमून ट्रिप का कई देशों में विशिष्ट आयोजन किया जा रहा हैं। इसमें भी सैकड़ों करोड़ रुपए खर्च होंगे। ऐसी शादी पौराणिक और ऐतिहासिक काल में भी पढ़ने और सुनने को नहीं मिलती है। भारत में 28 करोड़ परिवार और 112 करोड़ की आबादी अभी भी 50000 वार्षिक आय से कम में अपने परिवार का गुजारा कर रही है। यह भारत की अर्थव्यवस्था का सत्य है। भारत में पिछले 10 वर्षों में अमीर बड़ी तेजी के साथ अमीर होते जा रहे हैं। मध्यम वर्ग और गरीब की कमाई घटती चली जा रही है। मध्यम वर्ग कर्ज का शिकार हो गया है। गरीब निम्न वर्ग महंगाई और बेरोजगारी के कारण भुखमरी और कुपोषण का शिकार हो रहा है। अमीरों और गरीबों के बीच में जिस तरह की आर्थिक असमानता बढ़ रही है। यह चिंताजनक स्थिति है। 100 साल पहले जब हम अंग्रेजों और राजाओं की गुलामी में रह रहे थे, उस समय जो स्थिति थी, वही स्थिति 100 साल बाद एक बार फिर देखने को मिल रही है। यदि यह कहा जाए, तो अतिश्योक्ति नहीं होगा। 100 साल पहले जब अंग्रेजों का राज था। उस समय भी कुछ ही लोगों के पास धन था। लगभग वही स्थिति अब फिर बन गई है।

जीवन की यही है रीत, यहाँ हार के बाद होती है जीत

संसार तो एक समर क्षेत्र है।इस समर क्षेत्र में दोनो प्रतिद्वन्दी अपने अपने सर्मथकों,शुभ चिन्तकों के सहारे अपनी किस्मत अजमानें उतरता है,किसी के पक्ष में विजयश्री का ताजपोशी होती है वही दूसरी ओर उसके प्रतिद्वन्धी को पराजय की पीड़ा से गुजरना पड़ता है ।मै आज आप के समक्ष चुनावी समर क्षेत्र में पराजित प्रत्याशी की पीड़ा पर मार्मिक कहानी बताऊँ इसके पहले एक प्रचलित भजन सहारा लेना चाहूँगा- वैशण्व जन तेनें कहियें पीर पराई जाने रे ।अर्थात-सच्चे हितेषी,मित्र तो सच्चे संत के समान होते है।जो हमेशा ही आपका अपना हितेषी,मित्र,शुभ चिन्तक व समर्थक हमेशा ही आपके साथ खड़े होते है।आपको मदद करने के तत्पर रहते है।लेकिन कुछ ऐसे भी होते है जो केवल आपके सुःख व अच्छे वक्त में खड़े रहते है लेकिन मौका मिलते व आपके विपरीत समय में बीच मझधार में छोड़ कर खिसक जाते है।खैर आज मै आप के समक्ष चुनाव की एक चर्चित घटना की चर्चा कर रहें है।कहानी का प्रराम्भ एक पराजित प्रत्याशी की प्रणाम से प्रारम्भ है।यह बात 13 जुलाई 24 की है।देश की राजधानी दिल्ली के लुटियन जोन के रायसीना मार्ग स्थित प्रजातंत्र के प्राण व सच्चे प्रहरी का ऐतिहासिक प्रेस कल्ब ऑफ इण्डिया परिसर में जहाँ पर आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की इतिहास के पन्ने में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है।मौका है एक मात्र मान्यता प्राप्त पत्रकारों की सन 1966 में स्थापित संगठन जो प्रेस ऐसोशिएशन के द्विवार्षिक चुनाव 24। मै यहाँ स्पष्ट कर दूँ कि प्रेस ऐसोशिएशन का वही पत्रकार सदस्य बन सकते है जिन्हे सुचना प्रसारण मंत्रालय भारत के अधीनस्थ पी आई वी से जिन पत्रकारों को मान्यता मिली हो।वही इस चुनाव में हिस्सा व मतदान कर सकते है।शनिवार की सुबह,समय करीब 10:30 बजे।आज हमें दोहरी भूमिका निभा करनी है।एक तरफ जहाँ हमें एक सजग मतदाता के रूप में अपनी मतदान कर अंहम भुमिका अदा करनी है वही दुसरी तरफ चुनावी मैदान में एक कोषाध्यक्ष पद पर एक उम्मीदार के अपने मतदाताओं से अपने पक्ष में मतदान व समर्थन देने मार्मिक अपनी कर अपने आप को विजय श्री बनना है।यहाँ पर स्पष्ट कर दुँ कि यह चुनाव मेरे जीवन कितना अंहम है इसे मै अपने शब्दों में व्यक्त नही कर सकते है।कोई व्यक्ति जब किसी क्षेत्र में पहली वार अपना कदम उठाता है तो वह जज्बाती है-मेरे शाथ कुछ ऐसा ही हुआ।यह चुनाव मेरे जीवन का पहला चुनाव है।चुनावी मैदान सभी प्रत्याशी ने अपनी विजय के लिए रणनीति तैयार कर लिया था खासकर नायक जी के पैनल की उत्साह व उमंग दिखते ही बनता था,हो भी क्यों नही-स्वयं नायक जी निंविरोध अध्यक्ष पर चुने गए थें,खैर-मेरे व मेरे संग निंदलीय प्रत्याशी जो पहले भी चुनावी मैदान उत्तरे थें कुछ को विजय श्री का सौभाग्य मिला था,कुछ को पराजय स्वीकार करने का अनुभव था।कुल मिला कर चुनावी मैदान में अनुभवी खिलाड़ी के बीच में बिलकुल ही अनाड़ी था।24 जुन 24 को मैने अपने शुभ चिन्तकों के विचार विर्मश के बाद एन एम सी में रखें पेटी में अपना दो पदों के नामावंन्न पत्र डाल दिया।पहला कार्यकारणी सदस्य व दुसरा कोषाध्यक्ष पद के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी।नामांकन पत्र की अधिकृत अधिकारियों के द्वारा मेरे दो नामांकन पत्र सही पायें है। प्रेस एसोशिएसन के संविधान के अनुसार एक सदस्य एक पद पर चुनाव लड़ सकता है।मैने अपने शुभ चिन्तकों,समर्थकों व मीडिया मित्रों के परामर्श व गहन-चिन्तन मनन के उपरान्त कोषाध्यक्ष् पद पर चुनाव लड़ने व कार्यकारणी सदस्यों में अपना नाम वापस ले लिया।अब बारी थी चुनावी मैदान के लिए रणनीति बनानें के लिए,यहाँ मै चुनावी महाभारत के मैदान में अभिमन्यू की अकेला पड़ गया था,सो मैनें अकेले चुनावी चक्रबहु को तोड़ने जी तोड़ प्रयास कर रहा था,अपने मतदाताओ व समर्थको के सम्पर्क,संवाद व सहयोग के लिए लगातार प्रयास कर रहे थें।अन्त में मेरी अग्नि परीक्षा के छड़ी आई गई।13 जुलाई 24 प्रेस कल्ब ऑफ इण्डिया का परिसर, चुनाव में तैनात अधिकारीगण के साथ निंविरोध निर्वाचित अध्यक्ष सी के नायक चुनाव सपन्न कराने में व्यस्त थें।आज मेरे जीवन का अद्भुत पल था,वही अपनी मतदाताओ को अपने पक्ष में मतदान करने के लिए रिझानें समझानें के लिए चुनौती थी।एक याचक की तरह मै खड़ा था शायद मै भी चुनावी समर क्षेत्र में एक योद्धा की तरह खड़े थे ऐसा बाद में उस समय के प्रत्यक्षदर्शी व मीडिया मित्रों नें कहा कि - तकियावाला जी आपने आज आपने हम सभी बता दिया कि चुनाव किस तरह लड़ा जाता है। इस बार पी ए चुनाव को काफी ही उत्साह वर्द्धक बना दिया है।इस दौरान कुछ रोचकक्षण,कुछ नोंक झोक,हल्की फुल्की हँसी मजाक की फुलझड़ी भी दिखाई थी। संध्या के 5:30 बजे मतदान समाप्त की घोषणा हुई।संग ही संग आपसी सहमति हुई कि आज ही मतगणा करा ली जाए,ताकि कल रविवार व छट्टी का दिन है।इस मतदान में 239 मतदाताओ ने अपने मतदान किया।अब बारी थी मतो की गनती की।चुनाव अधिकारी व अधिकृत प्रतिनिधियों के देख रेख मतपेटी खोली गई।दो घंटो की मशक्त के बाद-चुनाव अधिकारियों द्वारा चुनाव में प्रत्यासियों की उपस्थित में मतदाताओ के फैसला को रोचक अंदाज सुनाया,हालकि मुझे मतगना केद्र पर कुछ हितैषी द्वारा सम्मानित मतदाताओं के फैसले के रुज्ञान से अवगत कराते हुए दिलासा व संत्वना दे रहे थें।आखिरकार अन्तिम फैसला आते ही मेरे अन्दर एक ऐसी शक्ति आ गई थी-जो चुनाव में प्राजित प्रत्यासी के लिए अति आवश्यक होता है।मेरे प्रतिद्विन्दी के पक्ष में 137 मत पड़े थै जबकि मेरे पक्ष 85 मत मिले।अन्तोगत्वा मुझे 52 मतो से अपने हार को स्वीकार करना पड़ा है।चुनावी समर क्षेत्र में पराजय के बाद बहुत भी बहुत कुछ सीखनें का स्वर्णिम अवसर मिला है।इस चुनाव में उन मीडिया मित्रो,सहयोगी मित्रो को धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने मुझे इस चुनाव में सलाह,समर्थन व सहयोग दिया है।उनका दिल की गहराईयों से धन्यवाद।विशेष आभार उन मित्रों व अभिभावक स्वरूप अग्रजों का जो चुनाव मैदान में पराजित होने के बाद भी आज मेरे साथ ना खड़े है बल्कि मुझे अगले चुनावी समर क्षेत्र में उत्तरने के प्रोत्साहित कर रहें।उनका धन्यवाद। आप सभी मतदाताओं जिन्होने मुझे अपना बहुमुल्य मत दिया है।मै उन मतदाताओं को विशेष धन्यवाद व आभार व्यक्त कर रहा हूँ जिन्होंने मुझे अपना मत नही दिया है।क्योंकि मुझे में कोई खमियाँ रही होगी।मै आपसे यह वादा करता हूँ मै अपने मे सुधार कर आपके मापदण्डों की कसौटी पर खरा उत्तरने की प्रत्यन करूँगा।अतः में चुनाव में सभी विजयी प्रत्याशियों कों मुबारकबाद देना चाहूँगा।अंत में मै अपने हितैषी समाचार पत्र के संपादक व संपादकीय टीम के सम्मानित सदस्यों का ,चुनाव प्रचार साम्रगी तैयार करने वाले मित्रो का जिन्होने प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से मदद व मार्गदर्शन व अपना समर्थन दिया।अंत में मै अजीज पत्रकार बन्धुओं का जिन्होंनें विश्वास दिलाया है कि जीवन की यही है रीत,यहाँ हार के बाद होती है जीत।हार जीत तो जीवन के दो पहलू होते है।अतः मै अपने प्रिय पाठको का जिनका स्नेह,प्रेम व मार्गदर्शन मिलता रहता है। (लेखक- विनोद कुमार सिंह / ईएमएस) (नोट - लेखक मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार व प्रेस एसोसएशन के सदस्य है।)

जब दम नहीं थी, तो काहे को चेतावानी दे रहे थे...

(कहो तो कह दूं)

कई बार ये होता है कि आदमी अपनी ताकत नहीं तोलता और सामने वाले को मुकाबले के लिए चुनौती दे देता है और जब भीमकाय सामने वाला उसके मुकाबले पर आता है तो वो अपनी पूंछ दबाकर चंद मिनट में अपने आप को उसके हवाले कर देता है, ऐसा ही कुछ अपने प्रदेश के एक मंत्री जी ने कर दिया। वे भूल गए कि वे भारतीय जनता पार्टी की सरकार के मंत्री हैं जहां अनुशासन का ऐसा अदृश्य डंडा घूमता रहता है जिसकी आवाज भी सुनाई नहीं पड़ती और डंडा भी पड़ जाता है। मंत्री जी के पास कमाई वाला विभाग वन एवं पर्यावरण भी था लेकिन हाल ही में कांग्रेस से अपना पल्ला छुड़ाकर बीजेपी में शामिल हुए एक विधायक को मंत्री बनाने का वादा पार्टी ने कर दिया था सो उन्हें मंत्री तो बनाना ही था अब जब मंत्री बनाना था तो डिपार्टमेंट भी देना था सो ऊपर से आदेश हुए कि पुराने वाले मंत्री जी से एक विभाग लेकर आयातित मंत्री को दे दिया जाए। मुख्यमंत्री ने नए बनाए गए मंत्री को वन एवं पर्यावरण विभाग दे दिया, बस क्या था पुराने मंत्री जी का गुस्सा आसमान पर पहुंच गया घोषणा कर दी कि यदि उनका मंत्रालय उन्हें वापस नहीं मिला तो वे पार्टी से इस्तीफा दे देंगे और तो और अपनी पत्नी जो हाल ही में सांसद बनी उनका भी इस्तीफा दिलवा देंगे। आजकल वैसे भी भारतीय जनता पार्टी को एक-एक सांसद की जरूरत है सो भोपाल से लेकर दिल्ली तक हड़कंप मच गया, पुराने मंत्री जी बोले मैं दिल्ली जाकर हाई कमान से बात करूंगा लेकिन हाई कमान कोई ऐसा फालतू तो बैठा नहीं है जो किसी से भी मिलने तैयार हो जाए, तीन घंटे मंत्री जी बैठे रहे तब भी पार्टी अध्यक्ष से बात नहीं हुई और साफ-साफ कह दिया गया कि ज्यादा नौटंकी की तो सारे काले चिट्ठे बाहर आ जाएंगे, मंत्री जी ने तुरंत अपनी पूंछ दबाई और वापस भोपाल लौट आए लौटे तो लौटे आधी रात को मुख्यमंत्री के दरवाजे पर दस्तक दी उनके सामने सरेंडर किया और हाथ जोड़कर कहा गलती हो गई,फिर निवेदन किया कि एक मुस्कुराती हुई फोटो सीएम साहब के हो जाए और उसे वायरल भी कर दिया कि सब कुछ ठीक है कहीं कोई गुस्से वाली बात नहीं है, मुझे आश्वासन मिला है कि मेरा भविष्य अच्छा रहेगा। अपनी तो समझ से बाहर है कि मंत्री जी तो इतने समय से भारतीय जनता पार्टी में हैं उन्हें तो मालूम होना चाहिए कि यहां ज्यादा चूं चपड़ नहीं चलती एक मिनट में दूध में से मक्खी जैसे बाहर निकाल कर फेंक दिया जाता है उसके बाद भी मंत्री जी ने पता नहीं क्या सोचकर यह कदम उठाया अब ये तो वही बता सकते हैं लेकिन इस घटना के बाद जो भी नेता थोड़ा बहुत विद्रोह करने की सोच रहे होंगे उनके भी कान खड़े हो गए होंगे उन्होंने भी ईश्वर की शपथ ले ली होगी की भैया जो पार्टी कहेगी उसे आंख मूंदकर स्वीकार कर लेंगे वरना पार्टी कब बाहर कर दें कोई नहीं जानता।

आओ माइक माइक खेलें

इन दिनों भारत की राजनीति में माइक की बड़ी चर्चा है माइक होता ही इसलिए है कि आप जो कुछ कहना चाहते हो वो 10 गुना तेजी से सुनाई पड़े लोगों को। भाषण में भी माइक की जरूरत पड़ती है और राजनेताओं को तो बिना माइक पकड़े नींद ही नहीं आती, जब तक उनके सामने माइक ना हो तब तक उन्हें कुछ अजीब सा महसूस होता रहता है। नीति आयोग की बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गई और आधी बैठक में से बाहर आ गई और कह दिया कि मेरा माइक बंद कर दिया गया था। इसके पहले लोकसभा में राहुल गांधी भी कह रहे थे कि जब भी मैं सरकार की आलोचना करता हूं मेरा माइक बंद कर दिया जाता है और भी विरोधी पक्ष के नेता अक्सर आरोप लगाते हैं कि जब भी वे लोकसभा या राज्यसभा में अपनी बात कहना चाहते हैं तो उनका माइक बंद कर दिया जाता है। माइक हो या लाउडस्पीकर दोनों का एक ही काम है आवाज को ज्यादा से ज्यादा तेज करके लोगों तक पहुंचाना अब जब योगी और मोहन सरकार दोनों ने लाउडस्पीकर पर रोक लगा दी है तो फिर माइक तो उसका छोटा बच्चा है उसे बंद करना तो बहुत आसान काम है इधर बटन दबाया उधर माइक खामोश हुआ। आप कितनी ही जोर से चिल्लाओगे ज्यादा से ज्यादा दस बीस लोगों तक आपकी आवाज पहुंचेगी लेकिन जब माइक आपके हाथ में होगा तो आपकी आवाज दूर तलक पहुंच जाएगी। दूसरी बात ये भी है कि सरकार काहे को अपनी आलोचना सुनना पसंद करेगी। आप उसकी आलोचना करो और वो आपको माइक देते हैं ऐसा तो कभी होता नहीं है वो तो अच्छा है कि आप लोगों के मुंह पर टेप नहीं लगाया जाता माइक ही बंद होता है। उधर सरकार कह रही है कि हमारे पास तो कोई बटन ही नहीं है माइक तो टेक्निकल चीज हैं कब लाइट बंद हो जाती है और उसके साथ माइक बंद हो जाता है हमें क्या मालूम ? और आजकल तो लाइट बंद होना बहुत ही साधारण सी बात है यह बात अलग है कि जब जब सरकार की आलोचना होती है उसी समय बिजली गोल हो जाती है और माइक बंद हो जाता है और क्यों ना हो बिजली भी तो सरकार ही दे रही है।

गधों का जलवा

इन दिनों मालवा के मंदसौर में गधों का बड़ा जलवा चल रहा है। वैसे तो जानवरों में गधा सबसे सीधा माना जाता है कितना भी वजन लाद दो वो चुपचाप उस वजन को गंतव्य तक पहुंचा भी देता है इसके बावजूद उस बेचारे सीधे-साधे जानवर के नाम का गाली के रूप में उपयोग किया जाता है , पता चला है कि मंदसौर में बारिश नहीं होने से वहां के ग्रामीण जनों ने पहले तो गधों से खेत में जुताई करवाई और घोषणा करी कि अगर अच्छी बारिश होगी तो वे गधों को गुलाब जामुन खिलाएंगे। ऊपर वाले ने भी सोचा ,बेचारा गधा जिंदगी भर वजन ढोता रहता है कभी तो इसको भी गुलाब जामुन खाना चाहिए सो ऊपर वाले ने भी धकाधक बारिश शुरू कर दी चूंकि ग्रामीणों ने टोटका किया था और शपथ ली थी कि बारिश आयेगी तो गधों को गुलाब जामुन खिलाएंगे तो तमाम गधों को इकट्ठा किया और थाली भर भर कर गुलाब जामुन उन्हें खिलाए गए। गधे भी सोच रहे होंगे कि पिछले जन्म में हमने जरूर कोई ऐसे पुण्य के काम किए होंगे कि हमें घास की बजाय गुलाब जामुन खाने मिल रहा है। पता तो यह लगा है कि गधों ने एक मीटिंग करी है और उसमें तय किया है कि पता लगाओ कहां-कहां बारिश नहीं हो रही वहां चलकर पन जुताई कर देते हैं और फिर बेहतरीन गुलाब जामुन का आनंद लेते हैं।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

श्रीमान जी आलसियों पर शोध करने एक गांव में पहुंचे और गांव वालों से पूछा इस गांव का सबसे बड़ा आलसी कौन है

गांव वाले उन्हें एक बहुत ऊंचे पेड़ के पास के गए और सबसे ऊंची डाल पर बैठे आदमी की तरफ इशारा करते हुए कहा

ये हमारे गांव का सबसे आलसी व्यक्ति है ये कैसे हो सकता है इसने तो पेड़ पर चढ़ने के लिए मेहनत की होगी जी नहीं ये साला बीज पर बैठ गया था गांव वालों ने उत्तर दिया (लेखक-चैतन्य भट्ट/ईएमएस)

हादसों के लिए भोले बाबा जिम्मेदार -

देश की राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर हादसे के बाद दिल्ली महानगर पालिका निगम सक्रिय हो गयी हैं । एमसीडी ने आधा दर्जन से अधिक भूमिगत निर्माणों पर ताला जड़ दिया है और तमाम निर्माणकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस दे दिए हैं। राजनीतिक दल मिलकर इन हादसों के लिए जिम्मेदार लोगों की तलाश कर रहे हैं और एक-दुसरे पर आरोप - प्रत्यारोप लगाने में अपना पुरुषार्थ दिखा रहे हैं। लेकिन न हमेशा की तरह कोई दोषी मिल रहा है और न मिलेगा।

हकीकत ये है कि हम एक हादसा-प्रूफ देश में रहते हैं । यहां आये दिन छोटे-बड़े हादसे होते रहते हैं लेकिन उनके लिए जिम्मेदार लोगों का ,सिस्टम का कभी ,कोई पता नहीं चलता। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर की कोचिंग संस्था में हुया हादसा इसलिए अभी सुर्ख़ियों में है क्योंकि इस संस्थान में देश की भावी नौकरशाही में शामिल होने के लिए प्रतियोगी युवक मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं। ये हादसा प्रकृति जनित है या मनुष्य जनित ये तय करना आसान नहीं है। दिल्ली के उप राज्यपाल ने दिल्ली के कमिश्नर से हादसे के बारे में रिपोर्ट मांगी है। उप राज्यपाल दिल्ली में हादसा स्थल से थोड़ी सी ही दूरी पर रहते हैं। वे चाहते तो वहां खुद जाकर सब कुछ देख सकते थे,किन्तु ऐसा सम्भव नहीं हुआ ,क्योंकि हमारे यहां हर चीज का एक सिस्टम है। ये सिस्टम तय करता है कि हमारे भाग्यविधाता कहाँ जाएँ और कहाँ न जाएँ ?

अपने आलेखों में मै अक्सर लोकोक्तियों और मुहावरों का इस्तेमाल करता हूँ और लोगों को बताता रहता हूँ रिवायतों के बारे में। हमारे यहां हादसे दर हादसे होते हैं लेकिन हर जगह ,हर कोई नहीं जाता । मिसाल के तौर पर देश की संसद ने कहा,देश के सबसे बड़े सांस्कृतिक संघ ने कहा लेकिन हमारे प्रधानमंत्री आजतक मणिपुर नहीं गए। वे रूस जा सकते हैं, ऑस्ट्रिया जा सकते हैं लेकिन मणिपुर नहीं जा सकते। मणिपुर छोड़िये वे हाथरस नहीं जा सकते। ऐसे में वे दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर क्यों जाएँ ? प्रधानमंत्री जी ही क्या उनके मंत्रिमंडल का कोई सदस्य क्यों जाए ? उनके जाने या न जाने से सिस्टम कौन सा पलक झपकते सुधरने वाला है ? प्रधानमंत्री या उप राज्य पाल को फायर ब्रिग्रेड या रेपिड एक्शन फ़ोर्स तो हैं नहीं !

दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर का हादसा भी कोई नया तो है नहीं। ये वो ही दिल्ली है जहां उपहार सिनेमा हादसा हुआ था। हादसे की वजह चाहे आग हो चाहे पानी ,लेकिन जिम्मेदार कम से कोई सिस्टम ,कोई नेता नहीं होता। मेरे ख्याल से हर हादसे के लिए भगवान जिम्मेदार होता है और भगवान को दण्डित नहीं किया जा सकता। भगवान का काम सृजन और ध्वंश दोनों हैं। वे जो न करें सो कम हैं ,इसलिए किसी भी हादसे के लिए न किसी आम आदमी पार्टी को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और न किसी ख़ास आदमी पार्टी डसत्तारूढ़ पार्टी .को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। जिम्मेदारी ठहरने के लिए कोई शंख बजे या बांसुरी ,इससे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है।

हमारा देश कितने करोड़ की आबादी वाला देश है , ये हमें क्या ,हमारी सरकार को भी पता नहीं है। हमारे यहां पिछले 13 साल से जनगणना नहीं हुई ,जबकि उसे हर दस साल में करना ही होता है। भाजपा की बैशाखी सरकार जनगणना को फालतू का काम समझती है ,इसीलिए उसने न 2021 में जनगणना कराई है और न उसका ऐसा कोई इरादा है। हमारे यहां जन और गण की हैसियत कीड़े-मकोड़ों से ज्यादा नहीं है । इसलिए उन्हें गिनने से क्या फायदा। हमारी सरकार किसी भी हादसे में अकाल मृत्यु के लिए पीडितों के परिजनों को मुआवजा देने का पुण्य कार्य करती है । हमारे देश में 10 हजार से लेकर दस लाख तक का मुआवजा दिया जाता है । जिसकी जैसी हैसियत ,उसे वैसा मुआवजा। सबका जीवन अलग-अलग है। उसकी कीमत अलग- अलग है।

ओल्ड राजेंद्र नगर हादसे में मारे गए युवक चूंकि भावी नौकरशाह थे ,इसलिए मृतकों के साथी मुआवजे कोई राशि पांच करोड़ मांग रहे हैं। उन्हें पता है कि नौकरशाही का अंग बनने के बाद करोड़ों रूपये कमाना बाएं हाथ का खेल है। हमारे यहां नौकरशाह और नेता किसी के मोहताज नहीं होते । वे एक -दुसरे के सहायक हैं। लूटमार करने में ,असंवेदनशील होने में, संविधान की ऐसी-तैसी करने में। कोई किसी से कम नहीं। इस मामले में सभी दलों का चरित्र एक जैसा है। कोई दूध का धुला नहीं है। चाहे दक्षिण पंथी हो या वाम पंथी। कांग्रसी हो या धुर समाजवादी।

आप मानते हों या न मानते हों किन्तु मै मानता हूँ कि हिन्दुस्तान उस देश का नाम नहीं है जिस देश में गंगा बहती है। हिन्दुस्तान उस देश का नाम है जहां 85 करोड़ भिखमंगे रहते है। हिंदुस्तान उस देश का नाम है जिसमें साम्प्रदायिकता की खेती होती है और गेंहूं -चावल ,दाल -तिलहन पैदा करने वाले किसान अपनी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य मांगे जाने पर या तो मारे जाते हैं या उनके लिए दिल्ली को कील दिया जाता है। हिंदुस्तान वो देश है जहां सरकार चलने में सहयोग करने वाले दलों को न्यूतम समर्थन मूल्य दिया जाता है और ऐलानिया बजट प्रावधान करके दिया जाता है। बैशाखियाँ लगाना इस देश का सबसे बड़ा और पवित्र कार्य है। इसके लिए कितनी भी कीमत दी जाये कम है।ये कीमत जनादेश को मोथरा करने की कीमत है। सत्ता में आने के लिए कोई भी दल ,किसी भी दल को ये कीमत दे सकता है। इस समय बारी भाजपा की है और तैयारी कांग्रेस ने भी कर रखी है।

हम देश में एक विधान,एक निशान एक चुनाव ,एक नेता की बात जरूर करते हैं लेकिन नगरीय विकास और ग्रामीण विकास के लिए एक क़ानून कीबात कभी नहीं करते। हम भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता का नाम बदलकर भारतीय न्याय सन्हिता तो कर सकते हैं, लेकिन किसी भी क़ानून का सत्यनिष्ठा से अक्षरशः पालन नहीं कर सकते। हमारे यहां असंख्य कानूनों की मौजूदगी के बावजूद आपको आजादी है कि आप देश की किसी भी नदी,किसी भी नाले,किसी भी वन भूमि पर अतिक्रमण कर लें उसे अपराध नहीं माना जाता। दिल्ली का हादसा भवन निर्माण कानूनों की अनदेखी का सबसे बड़ा उदहारण है। हमारे यहां जहां भूमिगत पार्किंग होना चाहिए वहां आईएएस बनाने वाली संस्थाओं की लाइब्रेरी है। बिगाड़ लीजिये आप किसी का कुछ ? हम उस देश के वासी हैं जो नोटबंदी का अपराध करने वालों को दण्डित नहीं कर पाये । हम उस देश के वासी है जो देश का पैसा खाकर विदेश जाने वालों को पकड़ नहीं पाया । हम उस देश के वासी हैं जहाँ आज भी देश की अर्थव्यवस्था में कालाधन आराम से छापा जा रहा है।हम उस देश के वासी हैं जहां कोई दूसरा चंडीगढ़ नहीं बनाया जा सका।

बहरहाल कहने को बहुत कुछ है लेकिन सुनने वाले तो हों। हमारे पाठक अकेले क्या कर सकते हैं ? हमें भी मौक़ा मिलता है तो हम भी बेशर्मी के साथ कानूनों को तोड़ने में अपने आपको पुरुषार्थी समझते है। आखिर यथा राजा -तथा प्रजा तो होगी है । राजा नगा होगा तो प्रजा काहे को कपडे पहनने लगी ?(लेखक राकेश अचल / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8083

बाएँ से दाएँ

1. आदत,स्वभाव-4
4. सुरक्षित-4
7. जरुरतमंद-5
9. भीगा हुआ-2
11. मक्का-मदीना की यात्रा-2
12. सोना,धतुरा-3
14. धक्का देना-4
15. खानाबदोश,बंजारा-4
16. अंधेरा,अंधकार-3
18. खामी,बुरी आदत-2
19. ईसाई साध्वी-2
21. नायक का विलोम-5
25. करिश्मा,करामात-4
26. महीन व मंहगे कपड़े का एक प्रकार -4

ऊपर से नीचे

1. अंग्रेज,विदेशी-3
2. लीन,मगन-2
3. पैंदा,तला-2
4. रिश्तेदार-2
5. थूक,लेस-2
6. तहजीब,सलीका-3
8. देह,काया-3
10. टोने-टोटकों वाली किताब-5
11. स्वदेशवासी -5
12. कपड़े की दीवार-3
13. अनुमान,आकलन-3
17. राजी करना-3
18. चश्मा-3
20. अनुकृति-3
21. पत्र,चिट्ठी-2
22. होठ,अधर-2
23. मृत्यु देवता,यमराज-2
24. बीता हुआ दिन-2

शब्द पहेली -8082 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल-समाचार

पेरिस ओलंपिक : भारत-अर्जेंटीना हॉकी मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक के ग्रुप बी में में सोमवार को भारत और अर्जेंटीना की हॉकी टीमों के बीच हुआ मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा। पहले मैच में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 3-2 से हराया था। इस मैच में अर्जेंटीना की ओर से 22वें मिनट में लुकास मार्टिनेज ने एक गोल कर अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। वहीं भारत की ओर से 59वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एक गोल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। इसके बाद दोनो ही टीमों ने गोल करने के काफी प्रयास किये पर वह सफल नहीं हुईं। अब भारतीय टीम मंगलवार को आयरलैंड से खेलेगी। भारतीय टीम अब ग्रुप बी में तीसरे स्थान पर बनी हुई है। वहीं बेल्जियम पहले और ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर है। इन दोनों ही टीमों ने अब तक 2-2 मैच जीते हैं। वहीं भारतीय टीम एक जीत और एक ड्रॉ के साथ तीसरे नंबर पर है जबकि अर्जेंटीना एक अंक के साथ चौथे नंबर पर है। वहीं न्यूजीलैंड और आयरलैंड पांचवें और छठे नंबर पर हैं।

भारत और अर्जेंटीना दोनों ही शुरुआती 5 मिनट में गोल नहीं कर पाए। इस बीच मैच के छठे मिनट में ही अर्जेंटीना ने एक स्थानापन्न खिलाड़ी उतारा। वहीं भारतीय टीम को अपने आक्रामक खेल से 10वें मिनट में ही पेनाल्टी कॉर्नर मिला पर भारतीय टीम उसे गोल में बदल नहीं पायी। वहीं अर्जेंटीना का भी अपना पहला पेनाल्टी कॉर्नर बेकार गया। दोनों ही टीमों ने पहले क्वार्टर में अच्छा खेल दिखाया। दोनों ने बार-बार एकदूसरे की रक्षापंक्ति को छकाया, हालांकि, गोल कोई भी नहीं कर सका. भारत के अभिषेक का एक शॉट गोलपोस्ट के पास से निकल गया। भारत ने दूसरे क्वार्टर में भी अच्छी शुरुआत की है. चौथे मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर भी हासिल किया। हरमनप्रीत ने तगड़ा लगाया पर गोल नहीं कर पाये। ,भारत को एक और पेनाल्टी कॉर्रर मिला पर इस बार भी गोल नहीं हुआ।

पेरिस ओलंपिक : बाबुता 10 मीटर एयर राइफल में चौथे स्थान पर रहे

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबुता का अपने पहले ही ओलंपिक में पदक जीतने का सपना टूट गया है। बाबुता 208.4 अंक हासिल कर पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहे। वह क्रोएशिया के मीरान मैरिकिक से तीसरे स्थान के लिए अंतिम दौर में पिछड़ गये। बाबुता ने फाइनल की शुरुआत 10.7 और उसके बाद 10.2 के साथ की। 10.5 के तीसरे शॉट ने उन्हें चौथा स्थान दिलाया जबकि चौथे प्रयास में 10.4 ने उन्हें तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया। उन्होंने पहली सीरीज 10.6 के मजबूत स्कोर के साथ समाप्त की। उन्होंने दूसरी सीरीज की शुरुआत 10.7 से की, उसके बाद 10.5 और पहली एलिमिनेशन सीरीज के दूसरे शॉट में लगभग परफेक्ट 10.8 का स्कोर बनाया। इस प्रयास ने उन्हें दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया। वह लय बनाये नहीं रख सके और पदक हासिल नहीं कर पाये । चीन के शेंग लिहाओ ने 252.2 के ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ इस स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया जबकि स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन ने 251.4 के स्कोर के साथ दूसरे स्था हासिल किया क्रोएशिया के मिरान मैरिकिक 230 के स्कोर के साथ ही तीसरे स्थान पर रहे।

सीन नदी में प्रदूषण के कारण दूसरे दिन भी नहीं हुए तैराकी मुकाबले

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक से पहले ही सीन नदी में प्रदूषण को लेकर जो आशंकाएं जाहिर की जा रही थीं वह सही साबित हुई हैं। पानी के खराब होने के कारण यहां दूसरे दिन भी तैराकी की अध्यास स्पर्धा नहीं हो पायी। आयोजकों को उम्मीद है कि मंगलवार को स्पर्धा शुरू हो सकेगी। वहीं शहर प्रशासन के अनुसार पानी को साफ किया जा रहा है। ऐसे में विश्व ट्रायथलन, उसकी मेडिकल टीम को उम्मीद है कि धूप खिलने और तापमान बढने से पानी की गुणवत्ता ठीक हो जाएगी। इससे पहले विश्व ट्रायथलन ने पानी की गुणवत्ता की समीक्षा के लिए बैठक के बाद तैराकी का अभ्यास रद्द कर दिया था। वहीं अधिकारियों ने कहा कि उद्घाटन समारोह के दिन आई बारिश के कारण पानी की गुणवत्ता खराब हुई है। गौरतब है कि सीन नदी का पानी प्रदूषित होने के कारण ही यहां पिछले 100 साल से यहां तैराकी पर लगा हुआ है।

पेरिस ओलंपिक में आज होने वाले भारत के मुकाबले

पेरिस (ईएमएस)। फ्रांस की राजधानी पेरिस में खेले जा रहे ओलंपि में आज भारतीय खिलाड़ियों को कई मुकाबले खेलने हैं। ये तैराकी से लेकर टेबल टैनिस तक हैं।

तैराकी (मेडल मैच) 00:52 से
तीरंदाजी 15:30 से
बैडमिंटन 12:00 से
मुक्केबाजी 14:30 से
घुड़सवारी 14:30 से
हॉकी (भारत और आयरलैंड) 16:45
रोइंग 13:40 से
निशानेबाजी (मेडल मैच) 13:00 से
टेबल टेनिस (आर 32) 13:00 से

मनु और सरबजोत मिश्रित टीम स्पर्धा में आज पदक के लिए उतरेंगे

कोरियाई जोड़ी से होगा मुकाबला

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक की निशाने बाजी के मिश्रित वर्ग में भारत की मनु भाकर और सरबजोत सिंह की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में कांस्य पदक के लिए क्वालीफाई किया हैं। भाकर और सरबजोत ने 580 का स्कोर बनाकर पदक की उम्मीद जगायी हैं। अब इस जोड़ी का मुकाबला मंगलवार को कोरियाई जोड़ी से होगा। मनु और सरबजीत कुल 580 अंक हासिल करने के साथ ही तीसरे नंबर पर रहे। वहीं इससे पहले मनु ने व्यक्तिगत वर्ग में महिला 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में कांस्य पदक जीता था। अब अगर वह मिश्रित वर्ग में जीतती हैं तो ये उनका दूसरा पदक होगा। वहीं भारत के ही अर्जुन और रिदम मिश्रित वर्ग में ही 10वें स्थान पर रहे और पदक की दौड़ से बाहर हो गये।

रमिता 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं,पदक जीतने का सपना टूटा

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक में भारतीय निशानेबाज रमिता जिंदल 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में निराशाजनक प्रदर्शन के कारण 7वें पर रहीं और पदक नहीं जीत पायीं। इस इवेंट में शुरु के 5 शॉट तक रमिता शीर्ष पांच निशानेबाज में शामिल थी पर इसके बाद अगले 5 शॉट में वह पीछे हो गयीं। 14 शॉट्स के बाद वह 7वें स्थान पर खिसक गयीं। इस प्रकार वह पदक की दौड़ से बाहर हो गई। 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में रमिता ने अच्छी शुरुआत की और पहले 5 शॉट के बाद चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने पहले 5 शॉट में 10.3, 10.2, 10.6, 10.9, 10.5 का स्कोर किया पर अंतिम 5 शॉट में रमिता ने 10.4, 10.1, 10.7, 10.6, 9.7 अंक हासिल किए। पहले 10 शॉट के बाद वो खिसककर 7वें स्थान पर आ गयीं। पहले 5 शॉट के बाद रमिता ने 52.5 अंक हासिल किए। इसके बाद अगले 5 शॉट के बाद उनके पास 104 अंक थे। रमिता ने एलिमिनेटर राउंड में पहले दो शॉट्स 10.4 और 10.5 के लगाए। इससे वह 5 वें नंबर तक पहुंची। उन्होंने 10.2 और 10.2 अंक हासिल किया और सातवें स्थान पर खिसकर पदक दौड़ से बाहर हो गयीं। रमिता ने क्वालीफाइंग राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए 631.5 अंक कर फाइनल में जगह बनाई थी पर वह फाइनल मुकाबले में सफल नहीं हो पायीं।

बोपन्ना और बालाजी की हार के साथ ही भारत का टेनिस में पदक जीतने का सपना टूटा

पेरिस (ईएमएस)। भारत का पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने का सपना टूट गया है। एकल में नागल की फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट के हाथों तीन सेट तक चले मुकाबले में 2-6, 6-4, 5-7 से हार के बाद । युगल के पहले ही दौर में बोपन्ना और बालाजी को भी मेजबान फ्रांस के एडवर्ड रोजर वासेलिन व गेल मोनफिल्स की जोड़ी ने 5-7, 2-6 से हरा दिया। 43 साल के बोपन्ना का यह अंतिम ओलंपिक माना जा रहा है। एकल में नागल ने पहला सेट हारने के बाद वापसी की पर अंत में उन्हें दो घंटे से अधिक समय तक चले मैच में 2-6, 6-4, 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। इस प्रकार भारत की पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने की संभावनाएं समाप्त हो गयी और एक बार फिर उसका पदक जीतने का सपना अधूरा रह गया।

श्रीलंका के खिलाफ 3-0 से सीरीज जीतने उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

शाम 7:00 बजे शुरू होगा मुकाबला

पालकेली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को मेजबान श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 को जीतकर सीरीज 3-0 से अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले दोनो ही मैच आसानी से जीते हैं। ऐसे में उसके हौसले बुलंद हैं। भारतीय टीम अब तक हुए दोनो ही मैच में मेजबानों पर हर विभाग में भारी पड़ी है।

नये कोच गौतम गंभीर और नये कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी रणनीति पर पूरी तरह से अमल कर रहे हैं। इस मैच में उन खिलाड़ियों का अवसर मिल सकता है जो अभी तक बेंच पर हैं। सूर्यकुमार यादव ने पहले मैच 58 और दूसरे में 26 रन बनाकर दिखाया है कि कप्तानी से उनपर कोई दबाव नहीं है।

भारत ने दूसरे मैच में चोटिल सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की जगह संजू सैमसन को टीम में रखा था पर सैमसन विफल रहे थे। शुभमन अगर फिट हुए तो वह इस मैच में खेलेंगे अगर नहीं तो सैमसन को फिर अवसर मिल सकता है। वहीं दूसरी ओर श्रीलंका की बल्लेबाजी अब तक विफल रही थी। केवल पथुम निसांका 111 रन और कुसल परेरा 73 रन बना पाए हैं। वहीं मध्यक्रम रनों के लिए जूझ रहा है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत का स्क्वॉड: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, मोहम्मद सिराज

श्रीलंका का स्क्वॉड: चरिथ असलांका (कप्तान), दिनेश चंडीमल, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), पथुम निसांका, कुसल परेरा, वानिंदु हसरंगा, कामिंदु मेंडिस, दासुन शनाका, चामिंडु विक्रमसिंघे, बिनुरा फर्नांडो, असिथा फर्नांडो, दिलशान मदुशंका, मथीशा पथिराना , महेश तीक्षणा, दुनिथ वेलालगे।

पेरिस ओलंपिक : महिला एकल में मनिका और श्रीजा जीते, शरत हारे

पेरिस (ईएमएस)। भारत की मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला अपने-अपने मुकाबले जीतकर पेरिस ओलंपिक की महिला टेबल टेनिस स्पर्धा के दूसरे दौर में पहुंच गयीं हैं। वहीं पुरुष वर्ग में भारत के ही शीर्ष टेटे खिलाड़ी शरत कमल राउंड ऑफ 64 में हार के साथ ही बाहर हो गये। मनिका बत्रा ने महिला एकल वर्ग के अपने एक टेटे मुकाबले में ब्रिटेन की अन्ना हर्सी को 4-1 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। मनिका ने इस मुकाबले में शुरुआत में पीछे हो गयीं पर इसके बाद उन्होंने अच्छी वापसी करते हुए 11-8, 12-10, 11-9, 9-11, 11-5 से मैच अपने नाम कर लिया। जीत लिया। इसी के साथ ही वह महिला एकल वर्ग में राउंड ऑफ 32 में पहुंचने वाली दूसरी भारतीय महिला बन गई हैं।

यहां मनिका का मुकाबला फ्रांसीसी खिलाड़ी पृथिका पावड़े से होगा। वहीं भारत की ही टेटे खिलाड़ी श्रीजा ने राउंड ऑफ 64 के मुकाबले में स्वीडन की क्रिस्टीना कलबर्ग को हराकर अगले दौर में जगह बनायी। श्रीजा नेपहला गेम 11-4 से जबकि दूसरा गेम 9-11 व तीसरा गेम 11-7 से जीता। अंत में वह 11-7 से जीतकर अगले दौर में पहुंची।

दूसरी ओर पुरुष एकल में भारत के शीर्ष खिलाड़ी शरत कमल को निराशा का सामना करना पड़ा। शरत को पुरुष एकल मुकाबले में स्लोवेनिया के कोजुल डेनी ने 4-2 से हरा दिया। शरत को छह सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में डेनी ने 12-10, 11-9, 11-6, 11-7, 11-8, 12-10 से हराकर बाहर कर दिया।

कनाडा में खालिस्तानियों ने कराया जनमत संग्रह, किल इंडिया के लगे नारे

भारत ने जताया विरोध, पुलिस मूकदर्शक बनी सब देखती रही

ओटावा,(ईएमएस)। कनाडा में खालिस्तान समर्थक अलगाववादियों ने जनमत संग्रह शुरू कर दिया है। हजारों सिख अलबर्टा प्रांत के कैलगरी के म्यूनिसपल प्लाजा में इकट्ठा हुए। इस आयोजन में भारत के खिलाफ भड़काऊ नारे लगाए गए। इसमें किल इंडिया और दिल्ली बनेगा खालिस्तान के नारे लगाए गए। जनमत संग्रह का आयोजन चरमपंथी समूह सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने अमेरिका के दूतावास के ठीक सामने किया। नई दिल्ली ने भारत विरोधी इस आयोजन के खिलाफ कनाडा के विदेश मंत्रालय में अपनी शिकायत दर्ज कराई। इसके बावजूद पुलिस ने इसे रोकने का प्रयास नहीं किया। बल्कि जब भारत विरोधी नारे लगाए जा रहे थे, तो कनाडा की पुलिस मूकदर्शक बनी यह सब देखती रही।

जनमत संग्रह सुबह से शाम तक जारी रहा, जिसमें अलबर्टा में मौजूद सिख समुदाय के हजारों लोगों ने इसमें भाग लिया। अलबर्टा में सिखों की बड़ी आबादी रहती है। प्रमुख खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर का परिवार सबसे पहले वोट डालने वालों में से था। निज्जर की 28 जून 2023 को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। निज्जर खालिस्तान समर्थक उन कनाडाई सिखों में हैं, जिनकी हत्या की गई है। इस सूची में लखबीर सिंह रोडे और तलविंदर सिंह परमार जैसे लोग भी शामिल हैं।

कनाडा में भारत विरोधी जनमत संग्रह को लेकर सवालों पर कैलगरी की भारतीय-कैनेडियन मेयर ज्योति गोंडेक ने कहा कि इसे रोकना उनके हाथ में नहीं है। उन्होंने कहा कि म्यूनिसिपल प्लाजा में कई गतिविधियां होती हैं क्योंकि यह एक सार्वजनिक स्थान है। इन आयोजनों को हमारी ओर से अनुमति या स्वीकृति नहीं दी जाती है। लोग एक समुदाय के रूप में अपनी इच्छानुसार जमा हो सकते हैं और जो चाहें कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे हम नियंत्रित या निगरानी कर सकें।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबार दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बाजार में मुनाफावसूली हावी रहने से नीचे आया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही 81,908 और 24,999 के शीर्ष स्तर पर पहुंचने के बाद नीचे खिसक गये। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 23 अंक की मामूली तेजी के साथ 81,355 और निफ्टी 1.25 की बढ़त के साथ 24,836 पर बंद हुआ।

वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में लार्जकैप के मुकाबले बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 593 अंक करीब 1.03 फीसदी ऊपर आकर 58,362 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 189 अंक तकरीबन एक फीसदी बढ़कर 19,043 पर बंद हुआ।

आज वाहन , पीएसयू बैंक, फार्मा, मेटल, रियल्टी, एनर्जी और इन्फ्रा शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि आईटी, फिन सर्विस और फार्मा के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी।

सेंसेक्स के शेयरों की बात करें तो एलएंडटी, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, रिलायंस, इंडसइंड बैंक, सन फार्मा, मारुति सुजुकी और बजाज फाइनेंस सबसे अधिक लाभ वाले शेयर जबकि टाइटन, भारती एयरटेल, आईटीसी, टेक महिंद्रा और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर नीचे आये।

आज कारोबार के दौरान उच्च स्तरों पर होने वाली मुनाफा वसूली हावी रही। इससे पहले आज सुबह

वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से बाजार खुलते ही रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। वैश्विक बाजारों में तेजी के चलते बेंचमार्क निफ्टी-50 और सेंसेक्स आज सुबह शुरुआत में उच्च स्तर पर पहुंच गए। सेंसेक्स 416.62 अंक बढ़कर 81,749.34 के नए सार्वजनिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर निफ्टी 50 145.6 अंक बढ़कर 24,980.45 के स्तर पर पहुंच गया।

अकड़ गई निकल........भारत की तारीफ कर रहे मुइज्जू

माले (ईएमएस)। भारत ने मालदीव के सहयोग में कभी कसर नहीं छोड़ी। जब जहां जरुरत पड़ी भारत सबसे पहले मालदीव के साथ खड़ा रहा। जैसे ही सत्ता की बागडोर राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने संभाली उन्होंने भारत से पंगा लेना शुरू कर दिया। नतीजा ये हुआ कि दोनों देशों के बीच मतभेदों की खाई बढ़ने लगी। अब हालात बदल रहे हैं मुइज्जू जात बात पर भारत की तारीफ करते नजर आ रहे हैं। ऐसे में सवाल उठने लगा कि आखिर उनकी मंशा क्या है? मालदीव के 59वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आयोजित आधिकारिक समारोह में फिर ऐसा किया। उन्होंने कहा कि भारत मालदीव का करीबी देश बना रहेगा, इसमें कोई शक नहीं है। उन्होंने कहाकि उनके देश का लोन चुकाने में भारत सबसे अधिक सहायता करते हैं। हालांकि उन्होंने इसके साथ ही चीन का भी नाम लिया, लेकिन तवज्जो भारत को अधिक दी। मुइज्जू ने उनके देश की कमजोर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद करने के लिए भारत और चीन का आभार जताया। साथ ही कहा कि देश के ऋण संकट को दूर करने में नई दिल्ली और बीजिंग की भूमिका महत्वपूर्ण है।

मुइज्जू के हवाले से कहा कि मैं मालदीव के लोगों की ओर से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, हमारी आर्थिक संप्रभुता को कायम रखने और मालदीव के लोगों की खातिर इस प्रयास में उनके सहयोग के लिए चीन सरकार और भारत सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने भारत द्वारा दी गई 400 करोड़ रुपये की सहायता की भी सराहना की बता दें कि मुइज्जू ने सरकार में आने के बाद भारत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। इसके चलते मालदीव के साथ भारत के संबंधों में खटास भी आई थी। भारत ने कई अहम फैसले लिए थे, जिससे मालदीव के आर्थिक हालात बिगड़ने लगे थे। इतना ही नहीं, मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में भी बड़े पैमाने पर कमी आई थी। इसके बाद मुइज्जू सरकार के मंत्री और खुद प्रेसीडेंट मुइज्जू ने भी भारत की तारीफ शुरू कर दी। मुइज्जू पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल के शपथग्रहण में भी शामिल हुए थे।

पाकिस्तान में पकड़ी गई एयरहोस्टेस......मोजे में छिपा रखे थे डॉलर और रियाल

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआइए) की एक एयरहोस्टेस को लाहौर के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विदेशी करेंसी की तस्करी करते हुए पकड़ा गया। एयर होस्टेस ने मोजे में ढेर सारा अमेरिकी डॉलर और सऊदी रियाल छुपाकर रखा था।

इसकी कीमत लाखों पाकिस्तानी रुपए में आंकी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक एयर होस्टेस को न्यायायिक हिरासत में भेज दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक डिप्टी कलेक्टर कस्टम्स राजा बिलाल ने बताया कि एयर होस्टेस के पास से 1,40,000 हजार सऊदी रियाल बरामद किए गए हैं। पाकिस्तानी रुपये में इसकी कीमत करीब 1 करोड़ 4 लाख रुपए है। बिलाल ने बताया कि शक के आधार पर एयर होस्टेस को प्लेन से उतारा कर उसकी तलाशी ली गई थी।

पेरिस ओलंपिक में लक्ष्य को झटका, अमान्य घोषित हुई पहली जीत

पेरिस (ईएमएस)। भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल लक्ष्य सेन की पेरिस ओलंपिक के पहले ही दौर में मिली जीत को अमान्य घोषित कर दिया गया है। इसका कारण ये बताया गया है कि लक्ष्य ने जिस खिलाड़ी को हराया था। वह चोटिल होने के कारण ओलंपिक से बाहर हो गया है। अब लक्ष्य को ग्रुप स्तर पर बेल्जियम के जूलियन कैरागी से खेलना होगा। इसलिए अब वह इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से खेलेंगे। ऐसे में अब लक्ष्य को ये मुकाबला एक बार फिर खेलना होगा।

गत दिवस बैडमिंटन के एकल मुकाबले में लक्ष्य का मुकाबला ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन से हुआ था। इस मुकाबले में लक्ष्य ने 42 मिनट के अंदर ही केविन को 21-8, 22-20 से हराया था।

लक्ष्य ने पहले गेम को आसानी से 21-8 से जीत लिया था। इसके बाद केविन ने वापसी के प्रयास किये पर अंत में लगातार छह अंक जीतकर लक्ष्य ने मैच पर कब्जा कर लिया। अब वहीं इस मुकाबले को अमान्य करार दिया गया है। जो लक्ष्य के लिए एक बड़ा झटका है। कहा जा रहा है कि कोहनी की चोट के कारण केविन ओलंपिक से ही बाहर हो गये हैं। इस परिणाम

को भी रिकॉर्ड से हटा दिया गया है। इसका मतलब हुआ कि केविन कॉर्डन पर लक्ष्य की जीत को माना नहीं जाएगा। अब लक्ष्य को ग्रुप स्तर पर बेल्जियम के जूलियन कैरागी से खेलना होगा। इसके बाद वह इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से खेलेंगे।

...तो कर्ज चुकाते-चुकाते ही अमेरिका की अर्थव्यवस्था तोड़ देगी दम

-सरकार को कर्ज का ब्याज चुकाने दूसरे खर्चों में करनी पड़ रही कटौती

वाशिंगटन,(ईएमएस)। दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था वाला देश अमेरिका पर दिन-ब-दिन कर्ज बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी की फेडरल गवर्नमेंट का कर्ज अब 35 ट्रिलियन डॉलर से महज 2.5 अरब डॉलर दूर रह गया है। 2019 के बाद इसमें 13 ट्रिलियन डॉलर की तेजी आई है जो भारतीय अर्थव्यवस्था का करीब तीन गुना है। देश का डेट-टू-जीडीपी रेश्यो 122 फीसदी है। पिछले पांच साल में इसमें 19 फीसदी की तेजी आई। अमेरिका के इतिहास में फेडरल गवर्नमेंट के कर्ज में इतनी तेजी पहले कभी नहीं आई है। हालत यह हैं कि अमेरिका को कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए दूसरे खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है।

अमेरिका का कर्ज हर तीन महीने में करीब एक ट्रिलियन डॉलर बढ़ जाता है। इस साल 4 जनवरी को यह 34 ट्रिलियन डॉलर हो गया था। उससे पहले पिछले साल 15 सितंबर को यह 33 ट्रिलियन डॉलर और 15 जून को 32 ट्रिलियन डॉलर हो गया था। इसे 31 ट्रिलियन डॉलर से 32 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने में आठ महीने का समय लगा था। यूएस डेट यह राशि है जो अमेरिका की संघीय सरकार अपने खर्चों को कवर करने के लिए रुपया उधार लेती है।

माना जा रहा है कि अगर अमेरिका का कर्ज इसी तरह बढ़ता गया तो 2054 तक अमेरिका की अर्थव्यवस्था 166फीसदी पहुंच जाएगी। इससे साफ है कि अमेरिका में सरकार की कमाई कम हो रही है और खर्च बढ़ रहे हैं। जानकारों की मानें तो देश की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। स्थिति यह है कि अमेरिका को रोज 1.8 अरब डॉलर ब्याज के रूप में खर्च करने पड़ रहे हैं। अगर ऐसा हुआ तो कर्ज चुकाते-चुकाते ही अमेरिका की अर्थव्यवस्था दम तोड़ देगी। इससे सरकार को रिसर्च एंड डेवलपमेंट, इन्फ्रास्ट्रक्चर और शिक्षा पर होने वाले कुल खर्च से ज्यादा रुपया ब्याज चुकाने में देना होगा। चिंता की बात यह है कि अमेरिका का कर्ज ऐसे समय बढ़ रहा है जब देश की अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है और बेरोजगारी कम है। अमूमन जब अर्थव्यवस्था कमजोर होती है तो सरकार खर्च बढ़ाती है ताकि ग्रोथ को और आगे बढ़ाया जा सके।

इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को हराकर 3-0 से सीरीज जीती

बर्मिंघम (ईएमएस)। बेन स्टोक्स की आक्रामक पारी से इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन ही 10 विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से जीत ली है। स्टोक्स की इस जीत में अहम भूमिका रही। इस बल्लेबाजी ने केवल 24 गेंदों पर ही 50 रन बना दिये। स्टोक्स ने 28 गेंद में 57 रन बनाए और क्रेग ब्रैथवेट की गेंद पर छक्का लगाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। वहीं बेन डकेट ने 16 गेंद में 25 रन बनाये। इस सलामी जोड़ी ने दूसरी पारी में तेजी से खेलते हुए जीत के लिए मिले 87 रनों के लक्ष्य को 7.2 ओवर में ही बिना किसी नुकसान के हासिल कर लिया। इस मैच में वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 33 रन से खेलना पर इंग्लैंड के वुड के सामने उनकी टीम टिक नहीं पायी और 175 रनों पर ही सिमट गयी। वुड ने 40 रन देकर 5 विकेट लिये।

सोने की कीमत 68,400 रुपए, चांदी 81,750 के करीब

नई दिल्ली (ईएमएस)। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। सोमवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 68,400 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 81,750 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स)पर सोने के बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 240 रुपये की तेजी के साथ 68,426 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 222 रुपये की तेजी के साथ 68,408 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 340 रुपये की तेजी के साथ 81,711 रुपये पर खुला। इस समय यह 379 रुपये की तेजी के साथ 81,750 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,38.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,381 डॉलर प्रति औंस था। जो इस समय 11.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,392.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.06 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.02 था। इस समय यह 0.12 डॉलर की तेजी के साथ 28.14 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

ईरान में आसमान से बरस रही आग, लोगों से बाहर नहीं निकलने की अपील

-सरकारी ऑफिसों में काम के घटाए घंटे, स्कूल, कॉलेज व निजी संस्थान बंद

तेहरान,(ईएमएस)। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में मौसम कब और कैसा हो जाए यह कह नहीं सकते। भारत में जहां कई इलाकों में भारी बारिश तबाही मचा रही है। वहीं, ईरान में आसमान से आग बरस रही है। भीषण गर्मी के चलते ऑफिस, स्कूल, बैंक आदि में काम के घंटों में कटौती करने के साथ ही रविवार को सभी सरकारी और वाणिज्यिक संस्थानों को बंद रखने का आदेश दिया गया।

मौसम विभाग के मुताबिक ईरान की राजधानी तेहरान में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से लेकर 42 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादा तापमान से लोगों की हेल्थ और बिजली बचाने के लिए रविवार को देशभर में बैंक और सार्वजनिक संस्थान बंद रखे गए। केवल इमरजेंसी और हेल्थ सेवाएं ही चालू रहीं। भीषण गर्मी के कई प्रांतों में काम के घंटों में कटौती की गई है। बता दें शुक्रवार से तेहरान में 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने लोगों को शाम पांच बजे तक घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है।

मीडिया के मुताबिक ईरान का तापमान वैश्विक तापमान की दोगुनी गति से बढ़ रहा है। ईरान के कई राज्यों में भीषण गर्मी का अलर्ट जारी किया है। करमानशाह, सेमनान, यज़्द, इस्फहान, लोरेस्तान, कोम, हमादान, सिस्तान और बलूचिस्तान और मरकजी प्रांतों में भीषण गर्मी से निपटने के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं। लोरेस्तान में सरकारी ऑफिसों को सुबह 6 बजे से 11 बजे तक काम करने को कहा गया है। हमादान, सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांतों में कार्यालय दो घंटे पहले बंद हो जाएंगे। करमानशाह प्रांत ने पूरी तरह बंद की घोषणा की।

पाकिस्तान के खिलाफ ग्वादर में जुटाई लाखों की भीड़, बलूच शेरनी की दहाड़

मांग पूरी नहीं होने तक अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करने का ऐलान

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। बलूच अपनी ही जमीन पर शरणार्थी बनते जा रहे हैं। बलूचों ने अब पाकिस्तान और चीन के अत्याचारों के खिलाफ खड़े होने का फैसला कर लिया है। बलूच यकजेहती कमेटी (बीवायसी) की केंद्रीय आयोजक डॉ. महरंग बलूच ने अपनी मांगें पूरी नहीं होने पर ग्वादर में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। रविवार को बलूच नेशनल गैदरिंग के दौरान इसका ऐलान किया गया। जहां पाकिस्तानी अधिकारियों की तमाम कोशिशों के बावजूद हजारों बलूच यहां पहुंचे थे।

डॉ. महरंग ने वैश्विक शक्तियों से बलूचों पर किए जा रहे मानवाधिकारों के हनन पर तत्काल ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज एक जागरूक बलूच राष्ट्र यहां मौजूद है, जो पूरी तरह जानता है कि उसका असली दुश्मन कौन है और कौन उनके संसाधनों का शोषण कर रहा है। उन्होंने घोषणा की कि मांगे पूरी होने तक ग्वादर के मरीन ड्राइव पर धरना जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बलूच महिलाओं पर हमला किया गया, उनके ऊपर आंसू गैस के गोले फेंके गए। बलूच को यहां आने से रोका गया हर इलाके में बाधाएं डाली गई हैं लेकिन उसके बावजूद ग्वादर में हजारों लोग इकट्ठा हुए।

बलूच यकजेहती कमेटी ने ऐलान किसर कि बलूच राजी मुची सम्मेलन जो एक दिन के लिए होना था, वह सरकार की हिंसा के कारण अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया है। बयान में कहा गया कि कर्फ्यू और क्रूरता के बावजूद हजारों लोग ग्वादर में मौजूद हैं। तलार चौकी पर धरना दिया जा रहा है। बीवाईसी ने कहा कि सरकार ने पूर्ण रूप से कर्फ्यू लगा दिया है। इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क बंद कर दिया है और अंधाधुंध गोलियां बरसाई जा रही है।

अब सरकार की नजर शेयर ट्रेडिंग से होने वाली आय पर भी

शेयर में कमाया मुनाफा तो देना होगा 12.50 से 30 फीसदी तक टैक्स

भोपाल (ईएमएस)। शेयर से की जाने वाली कमाई पर अब सरकार की नजर है। यदि आप हर दिन ट्रेडिंग करते हैं तो आपको 30 फीसद तक आयकर देना पड़ सकता है। इसलिए आप शेयर बाजार में किस्मत आजमा रहे हैं तो सावधान हो जाएं।

आयकर रिटर्न भरते समय इस बात का ध्यान रखें और ट्रेडिंग से की जाने वाली कमाई का उल्लेख करें। क्योंकि हाल ही में जारी हुए बजट में निर्धारित किया गया है कि लांग टर्म शेयर पर महज साढ़े 12 फीसद और शार्ट टर्म पर 20 फीसद तक कर चुकाना होगा। यदि हर दिन खरीद करते हैं तो आय पर 30 फीसद कर देना होगा। लेकिन आयकर विभाग यह कर आपसे तभी मांगेगा जब आप आयकर द्वारा निर्धारित स्लैब से अधिक कमाते हैं।

तीन हिस्सों में बांटा कमाई

जानकारों का कहना है कि आयकर विभाग ने शेयर बाजार से की जाने वाली कमाई को तीन हिस्सों में बांटा है। जिसे अलग अलग स्लैब में रखकर उनसे होने वाली आय पर कर लगाया जाएगा।

इंट्रा डे का मतलब है हर दिन शेयर खरीद और बिक्री से होने वाली आय को व्यापार माना गया है। इस पर 30 फीसदी तक का कर आपको चुकाना होगा।

शार्ट टर्म

शार्ट टर्म का मतलब आपके द्वारा खरीदे गए शेयर यदि एक साल के भीतर आप बेचते हैं तो इसे शार्ट टर्म के स्लैब में माना जाएगा। जिस पर विभाग द्वारा 20 फीसदी तक का कर निर्धारित किया गया है। जो आपको शेयर से होने वाली आय से लिया जाएगा।

लांग टर्म

लांग टर्म में आपके द्वारा खरीद किए गए शेयर यदि आप एक साल रखकर बेचते हैं तो लांग टर्म निवेश माना जाएगा जिस पर विभाग ने साढ़े 12 फीसदी तक का टैक्स निर्धारित किया है।

कर की नई दर

इस बार सालाना 3 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों के लिए शून्य दर रखी गई है। ऐसे लोग जिनकी आय 3 लाख रुपये से लेकर 7 लाख रुपये तक है, उन्हें 5 फीसदी टैक्स के दायरे में रखा गया है। यदि आपके आय 7 लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक है, तो आपको 10 फीसदी टैक्स का भुगतान करना होगा। यदि आपकी सालाना आय 10 लाख रुपये से लेकर 12 लाख रुपये तक है, तो आपको 15 फीसदी टैक्स का भुगतान करना होगा।

रुस नहीं दे पा रहा हथियार, अब भारत से आर्मेनिया ने खरीदे खतरनाक रॉकेट, तोप और ड्रोन

दुश्मन देश घबराए, भारत से हथियारों की सप्लाई पर किया विरोध

येरेवान,(ईएमएस)। आर्मेनिया भारत से हथियार खरीदने वाला सबसे बड़ा आयातक बन गया है। आर्मेनिया ने भारत के साथ पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम और आकाश एयर डिफेंस सिस्टम खरीदा है। आर्मेनिया ने अजरबैजान के हाथों नगर्नो काराबाख युद्ध में हार के बाद भारत से हथियार खरीदने की ओर बढ़ा है। अजरबैजान ने तुर्की, इजरायल और पाकिस्तान के हथियारों की मदद से आर्मेनिया को हराया था। यही नहीं रूस भी यूक्रेन युद्ध के बाद आर्मेनिया को हथियार नहीं दे रहा था। आर्मेनिया को भारत के हथियार देने से अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलियेव टेंशन में आ गए है।

अलियेव ने पिछले दिनों कहा था कि यह हमारे लिए राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। हम देख रहे हैं कि फ्रांस, भारत और ग्रीस किस तरह से हमारे खिलाफ आर्मेनिया को हथियार भेज रहे हैं और बलकुल वे ऐसा कर रहे हैं। हम बैठकर इंतजार नहीं कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि आर्मेनिया ने 60 करोड़ डॉलर का हथियार भारत से साल 2024-25 में खरीदा है।

बता दें भारत और आर्मेनिया ने साल 2020 में काराबाख युद्ध के बाद द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को बढ़ाया है। वह भी तब जब पाकिस्तान और तुर्की अजरबैजान को हथियार दे रहे हैं। तुर्की ने अपने किलर टीबी-2 किलर ड्रोन अजरबैजान को दिए हैं।

भारत से आर्मेनिया ने पिनाका रॉकेट सिस्टम, तोप, एंटी टैंक रॉकेट और एंटी ड्रोन सिस्टम खरीदा है। आर्मेनिया ने भारत से 90 तोप खरीदी है जो अगले तीन साल में उसे मुहैया कराई जाएगी। इनमें से छह तोपें पहले ही आर्मेनिया को भेजी जा चुकी है। इस साल मई महीने में दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों ने बैठक आयोजित की थी। इस बैठक सैन्य सहयोग में न केवल हथियारों की सप्लाई शामिल है, बल्कि सैन्य शिक्षा, रणनीतिक ट्रेनिंग और अनुभव साझा करना शामिल है।

आर्मेनिया, रूस पर हथियारों और गोला बारूद के लिए निर्भर था। वहीं रूस के साथ तनाव के बीच और यूक्रेन युद्ध के बाद आर्मेनिया अब वैकल्पिक सप्लायरों पर काम कर रहा है। यूक्रेन युद्ध के कारण रूस हथियारों की आपूर्ति नहीं कर पा रहा है। पिछले साल अक्टूबर महीने से आर्मेनिया ने फ्रांस की कंपनियों के साथ कई हथियार को लेकर करार किए हैं। अजरबैजान ने खुलकर भारत से हथियारों की सप्लाई पर विरोध किया है।

अमेरिकी आदेश के बाद पुतिन की धमकी.....क्या तीसरी जंग की तैयारी

मॉस्को (ईएमएस)। जर्मनी में लॉन्ग रेंज की मिसाइल तैनात करने के अमेरिकी फैसले को लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आपत्ति जाहिर कर धमकी दी है। पुतिन ने कहा कि अगर अमेरिका ऐसा करता है, तब वह इंटरमीडिएट रेंज के न्यूक्लियर हथियारों को बनाना शुरू कर देगा। इसके अलावा पश्चिमी देशों को जद में रखने वाली मिसाइलों को तैनात कर दिया जाएगा। पुतिन ने कहा कि जर्मनी में अमेरिका द्वारा लंबी दूरी की और हाइपरसोनिक मिसाइलों की तैनाती की योजना के जवाब में रूस नए हमलावर हथियार तैनात किए जाएंगे।

पुतिन ने कहा कि 2026 से ही एसएम-6, तोमाहॉक क्रूज मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियारों को तैनात करेगा। दरअसल अमेरिका ने घोषणा की थी कि वह 2026 में हथियारों की तैनाती शुरू कर देगा ताकि फरवरी 2022 में यूक्रेन में मॉस्को के चौतरफा आक्रमण के बाद, उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और यूरोपीय देशों की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि कर सके।

वाशिंगटन और मॉस्को दोनों ने हाल के हफ्तों में मध्यम दूरी की मिसाइल तैनात करने में तत्परता का संकेत दिया है। इसपर 1987 की अमेरिका-सोवियत संधि के तहत दशकों से प्रतिबंध लगा हुआ था। अमेरिका ने 2019 में इस समझौते से खुद को अलग कर लिया था और मॉस्को पर मिसाइल परीक्षण करने का आरोप लगाया था, जो समझौते का उल्लंघन करता था। रूस ने इन आरोपों का खंडन किया है।

पिछले दो साल में हीरे की कीमत में लगातार आ रही गिरावट, प्राकृतिक हीरे में भी 25 से 30 फीसदी की गिरावट देखी गई

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले दो साल के डेटा के आधार पर देखा जाए तो इन दो सालों में लैब में बने हीरे की कीमत में भारी गिरावट आई है। जुलाई 2022 में हीरे की कीमत 300 डॉलर (करीब 35 हजार रुपये) प्रति कैरेट थी जो इस महीने गिरकर 78 डॉलर (करीब 6529 रुपये) प्रति कैरेट पर आ गई है। वहीं प्राकृतिक हीरे की कीमत में भी 25 से 30 फीसदी की गिरावट देखी गई है। हीरा कारोबारियों का कहना है कि पिछले दो साल में हीरे की कीमत में लगातार गिरावट आ रही है। वहीं सोने की कीमतों में वृद्धि, अमेरिकी अर्थव्यवस्था और अन्य पश्चिमी देशों में मंदी और चीनी खरीद पैटर्न में अचानक आए बदलाव से भी मदद नहीं मिली है। हीरा कारोबारियों ने कहा है कि सूरत में काम करने वाले 38 हजार श्रमिकों से लेकर छोटे और मध्यम व्यवसायों और बड़े उद्यमों तक सभी को नुकसान हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में अब हीरे की अधिक आपूर्ति है। प्राकृतिक हीरों की कीमतों में गिरावट के बारे में कहा जा रहा है कि छोटे और सस्ते गुणवत्ता वाले दोषपूर्ण हीरे अपनी चमक खो चुके हैं। इन्हें लैब में बने दोषरहित पत्थरों (हीरे) से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। उच्च स्तर पर वैश्विक बाजार से मांग धीमी है। हीरा कारोबारी कहते हैं कि एक समय चीन दोषरहित खनन किए गए पत्थरों का बड़ा खरीदार हुआ करता था। अब इसने भी इन हीरों से मुंह मोड़ लिया है और इसमें दिलचस्पी दिखानी बंद कर दी है। चीन अब पहले के मुकाबले मात्र 10 से 15 फीसदी ही हीरे खरीद रहा है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलरी एसोसिएशन के गवर्निंग बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सोने का स्टॉक रखने वाले व्यापारियों को अप्रत्याशित नुकसान होगा। इन व्यापारियों ने ऊंची कीमत में इसे खरीदा था और अब सस्ते में बेचना होगा। जीजेईपीसी के एक अधिकारी ने कहा कि रत्न और आभूषण उद्योग में 50 लाख लोग काम करते हैं। इनमें से काफी सीमांत वर्ग से आते हैं। बीकेसी में भारत डायमंड बोर्स में 50,000 लोग और एसईईपीजेड में एक लाख लोग काम करते हैं। यह इतना श्रम-गहन क्षेत्र है कि सरकार जो कुछ भी करेगी, उसका असर लाखों श्रमिकों पर पड़ेगा।

लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ कार्रवाई...इजराइल को पड़ेगी मंहगी

ईरान ने दी चेतावनी

तेल अवीव (ईएमएस)। इजराइल और हमास के बीच करीब 10 महीने से जारी युद्ध खत्म होने के बजाय पश्चिमी एशिया के बाकी हिस्सों तक फैलता दिख रहा है। हफ्तासल, इजराइल के कब्जे वाले गोलन हाइट्स पर ईरान समर्थित मिलिशिया हिजबुल्ला के कथित तौर पर हमला किया था। इसके बाद इजराइली सेना ने दक्षिण और पूर्वी लेबनान के गांवों और कस्बों पर जवाबी कार्रवाई की है। इसके बाद ईरान ने इजराइल को चेतावनी देकर कहा कि अगर वे लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू करता है, तब विनाशकारी युद्ध होगा। इस बीच पीएम नेतन्याहू ने आगे की कार्रवाई के लिए सुरक्षा कैबिनेट की तेल अवीव में बैठक बुलाई है।

इजराइली हमले को देखकर लेबनान में हवाई सेवाएं रोक दी गई हैं। लेबनान की मिडिल ईस्ट एयरलाइंस ने कहा कि सी से अधिक फ्लाइट्स या कैंसिल कर दी गई हैं या फिर देरी से उड़ रही हैं। बेरूत रफीक हरीरी इंटरनेशनल एयरपोर्ट लेबनान का एकमात्र एयरपोर्ट है। इजराइल से हुई जंग में और फिर सिविल वॉर के दौरान इस एयरपोर्ट को निशाना बनाया जा चुका है।

लक्ष्मी साबित हो रही कमला हैरिस, 1 हफ्ते में जुटाए 1600 करोड़ रुपये

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने रविवार को अपने लेटेस्ट फंडरेजिंग की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने बताया कि हैरिस की कैंपेन टीम को 66 प्रतिशत से अधिक फंड 2024 के चुनाव में पहली बार चंदा दे रहे लोगों से प्राप्त हुआ है। वहीं, 1,70,000 से अधिक वॉलंटियर्स ने कमला हैरिस के कैंपेन में मदद करने के लिए साइन अप किया है। फोन कॉल, जनसंपर्क और वोटिंग से जुड़े कामों में यह लोग मदद करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के बाद उन्होंने अपने उत्तराधिकारी के रूप में अपनी डिप्टी कमला हैरिस का समर्थन किया। इसके एक हफ्ते बाद ही कमला हैरिस ने आधिकारिक तौर पर अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की। इसके बाद से कमला हैरिस लगातार चुनाव अभियान में जुटी हुई हैं। उनके चुनावी अभियान को जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। शायद यही कारण है कि कमला हैरिस को महज एक सप्ताह में ही 200 मिलियन डॉलर (16,74,20,70,000) का फंड मिला है। यह सभी धनराशि चुनाव अभियान के दौरान जुटाई है। इस बीच, डोनाल्ड ट्रंप के अभियान ने जुलाई की शुरुआत में कहा कि उसने दूसरी तिमाही में 331 मिलियन अमरीकी डॉलर जुटाए, जो कि डेमोक्रेटिक सहयोगियों द्वारा जुटाए गए 264 मिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक है। जून के अंत में ट्रंप के अभियान के पास 284.9 मिलियन अमरीकी डॉलर नकद थे, जबकि उस समय डेमोक्रेटिक अभियान के पास 240 मिलियन अमरीकी डॉलर नकद थे। चुनावों में अब 100 दिन बाकी हैं। पिछले हफ्ते के सर्वेक्षणों में हैरिस और ट्रंप के बीच बराबरी का मुकाबला देखने को मिला है, जिससे अभियान के लिए कड़ी टक्कर की स्थिति बन गई है।

भारी बारिश से गुजरात बेहाल, दीवार ढहने से मां-बेटे की मौत

अहमदाबाद, २९ जुलाई ।

गुजरात के साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर शहर में सोमवार को हुई भारी बारिश की वजह से परिवहन निगम की एक बस अंडर ब्रिज में हुए जलभराव में फंस गई। गुजरात के साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर शहर में सोमवार को हुई भारी बारिश की वजह से परिवहन निगम की एक बस अंडर ब्रिज में हुए जलभराव में फंस गई। बस के अंदर पानी भर जाने के बाद कंडक्टर और ड्राइवर को अपनी जान बचाने के लिए बस की छत पर चढ़ना पड़ा। उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

इसके अलावा मेहसाणा जिले में भी एक पुल के नीचे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जलभराव में फंस गई। ट्रॉली में १३ लोग सवार थे। इसके बाद आनन-फानन में एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। एनडीआरएफ टीम ने फंसे हुए सभी लोगों को रेस्क्यू किया। सोमवार को पूरे प्रदेश में २ इंच से लेकर ५ इंच तक की बारिश रिकॉर्ड की गई।

इससे पहले भी साबरकांठा जिले में भारी बारिश के चलते एक कच्चे मकान की दीवार ढह जाने से मकान में सो रहे मां-बेटे की मौत हो गई थी। खबरों के मुताबिक, एक मां और उसका चार साल का बच्चा अपने कच्चे मकान में सो रहे थे। तभी रात में भारी बारिश की वजह से कच्चे मकान की दीवार उनके ऊपर गिर गई। जिससे दोनों दीवार के मलबे में दब गए थे। बाद में इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई।

बता दें गुजरात इन दिनों भारी मानसूनी बारिश से जूझ रहा है। भारी बारिश की वजह से पूरे प्रदेश में जलभराव से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। प्रदेश के कई जिलों में घरों के अंदर तक पानी भरने की वजह से लोगों को बचाव और राहत दल ने राहत शिविरों में भेजा है। इसके अलावा कई लोग भारी बारिश की वजह से अपने घरों में बंद रहने को मजबूर हैं। प्रदेश के मौसम विभाग ने भी प्रदेश की कई जगहों पर भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, साथ ही लोगों को जलाशयों और निचले इलाकों में न जाने की एडवाइजरी जारी की है।

साबरकांठा जिले में भी भारी बारिश और पूरे इलाके में जलभराव होने की वजह से लोग घरों के अंदर ही रहने को मजबूर हैं। एनडीआरएफ और जिला प्रशासन की कई टीमें आपदा में फंसे लोगों को निकालने के लिए अभियान चला रही है। अब तक कई परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है।

एसएससी और एचएससी की पूरक परीक्षाओं के नतीजे घोषित

अहमदाबाद, २९ जुलाई ।

गुजरात सेकेंडरी और हायर सेकेंडरी एजुकेशन बोर्ड ने वर्ष २०२३-२४ के दौरान सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट तथा हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट के छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित पूरक परीक्षाओं के नतीजों की घोषणा आज यानी सोमवार २९ जुलाई को करते हुए परिणाम लिंक आधिकारिक वेबसाइट द्द्यद्गड्ढ.द्ध्द पर एक्टिव कर दिया है। इस बार दसवीं में २८.२९ फीसदी स्टूडेंट्स उत्तीर्ण हुए हैं।

गुजरात बोर्ड १०वीं और १२वीं की पूरक परीक्षाओं में सम्मिलित हुए स्टूडेंट्स के लिए बड़ी खबर। गुजरात सेकेंडरी और हायर सेकेंडरी एजुकेशन बोर्ड ने वर्ष २०२३-२४ के दौरान सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट तथा हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट के छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित पूरक परीक्षाओं के नतीजों की घोषणा कर दी गई है। बोर्ड द्वारा परीक्षा परिणाम आज यानी सोमवार, २९ जुलाई को घोषित किए गए। इसके साथ ही दोनों ही कक्षाओं के परिणाम देखने के लिए लिंक को आधिकारिक वेबसाइट, द्द्यद्गड्ढ.द्ध्द पर एक्टिव कर दिया गया है।

ऐसे में जो छात्र-छात्राएं जीएसईबी द्वारा आयोजित एसएससी और एचएससी के सप्लीमेंट्री एग्जाम में सम्मिलित हुए थे, वे अपना परिणाम देखने के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट करें। इसके बाद स्टूडेंट्स को अपनी सम्बन्धित कक्षा (१०वीं या १२वीं) से सम्बन्धित परिणाम लिंक पर क्लिक करना होगा। फिर नए पेज पर स्टूडेंट्स अपना ७ अंकों की सीट नंबर भरकर सबमिट करना होगा। इसके बाद परीक्षार्थी अपना परिणाम और विषयवार प्राप्तांकों के लिए अंक तालिका स्क्रीन पर देख सकेंगे। इसका प्रिंट लेने के बाद सॉफ्ट कॉपी भी स्टूडेंट्स को सेव कर लेनी चाहिए।

इसके साथ ही गुजरात बोर्ड द्वारा जारी आधिकारिक सूचना के मुताबिक इस बार की स्स्ष्ट पूरक परीक्षाओं के लिए १,२८,३३७ छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण किया था। इनमें से १,०४,४२९ छात्र-छात्राएं ही परीक्षाओं में सम्मिलित हुए थे, जिनमे से २८.२९ फीसदी को उत्तीर्ण घोषित किया गया है। इस प्रकार सप्लीमेंट्री एग्जाम का रिजल्ट २८.२९% ही रहा। कुल पंजीकृत छात्र-छात्राओं में ७५२२८ छात्र थे, जिनमे से ६५,७३७ परीक्षाओं में सम्मिलित हुए और इनमें से १६,९४३ सफल हुए हैं। इस प्रकार २५.७७ फीसदी छात्र पास हुए हैं। दूसरी तरफ, छात्राओं ने उत्तीर्ण प्रतिशत ३२.५६ के साथ बाजी मारी है।

वायरस के चलते मरने वालों की संख्या ५० के आंकडे को पार कर गई

अहमदाबाद, २९ जुलाई ।

गुजरात में चांदीपुरा वायरस का प्रकोप बरकरार है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस वायरस के चलते मरने वालों की संख्या ५० के आंकड़े को पार कर गई है। गुजरात में चांदीपुरा वायरस का प्रकोप बरकरार है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस वायरस के चलते मरने वालों की संख्या ५० के आंकड़े को पार कर गई है।

राज्य में रविवार तक ५३ बच्चों की मौत हो गई है। इसके अलावा राजस्थान के दो और मध्यप्रदेश के भी एक मरीज की गुजरात में इस वायरस के चलते मौत हुई है। राज्य में इस वायरस के शंकास्पद १३७ मरीज सामने आ चुके हैं। इसमें से ४७ मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसमें से सात मरीज अभी उपचाराधीन हैं, जबकि ४० को छुट्टी भी दी गई है।

चांदीपुरा के पॉजिटिव और शंकास्पद कुल सामने आए १३१ मामलों में से अब तक सबसे अधिक पंचमहाल जिले में छह बच्चों की मौत हुई है। इसके अलावा अहमदाबाद में पांच, राजकोट, जामनगर व गांधीनगर में चार-चार, मोरबी, वडोदरा, बनासकांठा, कच्छ, अरवल्ली में तीन-तीन, महिसागर, खेडा, महेसाणा, दाहोद, साबरकांठा में दो-दो, सुरेंद्रनगर में एक-एक समेत ५३ बच्चों की मौत हो गई।

प्रदेश में चांदीपुरा वायरस को लेकर अब तक ४७ मामलों की पुष्टि पॉजिटिव के रूप में हुई है। इनमें सबसे अधिक पंचमहाल में सात और साबरकांठा में छह मामले हैं। इस मामले के विविध अस्पतालों में ३८ मरीज भर्ती हैं जबकि ४० को अब तक छुट्टी भी दी जा चुकी है।

राज्य के जिन जिलों और कस्बों में चांदीपुरा वायरस के चलते बच्चे की मौत हुई है, उसके घर के आसपास के ४३ हजार से अधिक घरों में सर्वेलेंस की कार्यवाही की जा चुकी है। इसके अलावा १.२१ लाख घरों में स्प्रे तथा ५.६१ लाख घरों में मेलेथियोन पाउडर का छिडकाव किया गया है। २३ हजार से अधिक स्कूलों व २८ हजार आंगनवाडियों में भी मेलेथियोन पाउडर का छिडकाव किया गया है।

राज्य में रोग को ध्यान में रखकर अहमदाबाद शहर में जहां-जहां मवेशियों को रखा जाता है वहां-वहां भी वायरस को लेकर कीटनाशक का छिडकाव किया जाने लगा है। महानगरपालिका के पशु उपद्रव नियंत्रण विभाग (सीएनसीडी) की ओर से यह कार्यवाही शुरू की गई है। सीएनसीडी विभाग के अनुसार शहर के पशुपालक के यहां व पांजरापोलों में छिडकाव किया गया।

गुजरात में 31 जुलाई तक नहीं मिलेगी बारिश से राहत, IMD ने कई जिलों के लिए जारी किया ऑरेंज अलर्ट

अहमदाबादः29 जुलाई

गुजरात में पिछले 10 दिनों से जारी बारिश से फिलहाल राहत नहीं मिलेगी। मौसम विभाग ने राज्य में 31 जुलाई तक भारी बारिश होने का अनुमान व्यक्त किया है। आईएमडी के ताजा अलर्ट में कहा गया है कि सौराष्ट्र के बाद अब मध्य गुजरात के वडोदरा और अहमदाबाद जिलों में भी भारी बारिश हो सकती है। आईएमडी ने 29 जुलाई के लिए अहमदाबाद, आनंद, वडोदरा, छोटा उदेपुर और भरूच के लिए ऑरेंज अलर्ट पर रखा है। इसके साथ बनासकांठा, पाटन, मेहसाणा, साबरकांठा, गांधीनगर, अरावली, खेड़ा, पंचमहल, दाहोद, महीसागर, नर्मदा, सूरत, डांग, नवसारी, वलसाड, तापी, दमन, दादरा नगर हवेली, सुरेंद्रनगर, राजकोट, जामनगर, भावनगर, मोरबी और बोटाद लिए भारी बारिश की येलो अलर्ट रखा है।

आईएमडी ने 30 जुलाई को नवसारी, वलसाड और दमन, दादरा नगर हवेली में भारी बारिश की पीली चेतावनी जारी की गई है। 31 जुलाई को नवसारी, वलसाड और दमन, दादरा नगर हवेली में भारी बारिश की पीली चेतावनी है। गुजरात के सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में भारी बारिश से काफी नुकसान हुआ है। वडोदरा में भारी बारिश के बाद ओवरफ्लो हुए आजवा डैम से निचले इलाकों में जलभराव की समस्या बनी हुई है। इसके साथ भरूच के निचले इलाकों में अभी पानी भरा हुआ है। गुजरात में भारी बारिश से पोरबंदर, देवभूमि द्वारका के साथ जूनागढ़ और जामनगर जिलों में काफी नुकसान हुआ है।

गुजरात के उस धाम का कायाकल्प, जहां राम ने खाए शबरी के जूठे बेर

सूरत, २९ जुलाई ।

प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दक्षिण गुजरात के डांग जिले में सापुतारा हिल स्टेशन के पास शबरी धाम का कायाकल्प किया जा रहा है। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दक्षिण गुजरात के डांग जिले में सापुतारा हिल स्टेशन के पास शबरी धाम का कायाकल्प किया जा रहा है। सुबीर गांव से करीब तीन किलोमीटर दूर इस धाम के बारे में मान्यता है कि यहां शबरी से भगवान राम की भेंट हुई थी। भगवान राम वनवास के दौरान सीता की खोज में यहां आए थे। उन्होंने माता शबरी के जूठे बेर खाए। शबरी ने उन्हें सीता की खोज के लिए आगे का मार्ग बताया था।

गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड (जीपीवाईवीबी) ने शबरी धाम में टूरिस्ट निवास स्थल का निर्माण पूरा कर लिया है। इसके लिए राज्य सरकार ने १० करोड़ रुपए का फंड मंजूर किया था। गुजरात के एकमात्र हिल स्टेशन सापुतारा के आसपास के कई स्थल श्रद्धालुओं में आकर्षण का केंद्र हैं। इनमें शबरी धाम प्रमुख है। जंगल से घिरे इलाके में छोटे टीले पर शबरी धाम मंदिर में राम-शबरी मिलन के प्रसंग के चित्र और मूर्तियां हैं। सापुतारा आने वाले पर्यटक शबरी धाम पहुंचते हैं। इसे देखते हुए सरकार ने धाम के विकास का फैसला किया।

जीपीवाईवीबी के सचिव आर.आर. रावल के मुताबिक शबरी धाम विकास प्रोजेक्ट के तहत करीब ४.८९ करोड़ रुपए की लागत से यात्री निवास और एडमिन ब्लॉक का निर्माण किया गया है। यात्री निवास में पर्यटकों को भोजन शाला, डाइनिंग हॉल, पांच एग्जीक्यूटिव रूम और डोरमैटरी की सुविधाएं मिलेंगी। एडमिन ब्लॉक में हॉल, डाइनिंग विद किचन, बैठक कक्ष और बेडरूम की सुविधाएं शामिल हैं।

दूसरे चरण में शबरी धाम में और सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इनमें नई पार्किंग, हनुमान मंदिर का नवीनीकरण, सभा मंडप शेड, कैंटीन, रैम्प, गार्डनिंग एंड लैंड स्कैपिंग आदि शामिल हैं। बारिश के मौसम में इन दिनों सापुतारा में पर्यटकों की खासी भीड़ है। पर्यटकों के लिए सापुतारा मेघ मल्हार पर्व २९ जुलाई से शुरू होगा। यह एक महीने चलेगा।

गुजरात के गांवों की महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर

गांधीनगर 29 जुलाई : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विकास के विजन में भारत की नारी शक्ति के उत्थान को केंद्र में रखा है। विशेषकर, उन्होंने गांवों में रहने वाली महिलाओं के सशक्तिकरण पर पर विशेष बल दिया है, ताकि वे देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकें और आत्मविश्वास के साथ जीवन जी सकें। राज्य में मिशन मंगलम के अंतर्गत शुरू किए गए महिला स्वयं सहायता समूह इस दिशा में सार्थक सिद्ध हुए हैं। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में स्वयं सहायता समूहों को और भी मजबूत किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल 31 जुलाई को गांधीनगर में आयोजित होने वाले 'सखी संवाद कार्यक्रम' में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ भाग लेंगे। आज गुजरात की ग्रामीण महिलाओं की सफलता गाथा हर किसी के लिए प्रेरणादायी बन गई है। वर्ष 2021-22 में राज्य की 8500 महिलाओं द्वारा तीन महीने में 5 हजार मीट्रिक टन निंबोली एकत्रित कर 4 करोड़ रुपए की आय अर्जित करना इसका बेहतरीन उदाहरण है।

जीएनएफसी द्वारा नीम प्रोजेक्ट के अंतर्गत निंबोली का उपयोग नीम कोटेड यूरिया, दवाई, नीम ऑयल सहित अन्य उत्पादों को बनाने में किया जाता है। गुजरात आजीविका संवर्धन कंपनी (जीएलपीसी) के अधीन स्वयं सहायता समूह की महिलाएं निंबोली के एकत्रीकरण और उसे बेचकर आमदनी हासिल कर रही हैं। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत 2021-22 में जुलाई महीने के दौरान (निंबोली परिपक्व होने की अवधि) राज्य के 15 जिलों के स्वयं सहायता समहों की 8500 महिलाओं ने निंबोली एकत्रित कर 4 करोड़ रुपए की आय अर्जित की है।

वर्ष 2010 में मिशन मंगलम शुरू होने के बाद से अब तक गुजरात के 28 जिलों में प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा 3.13 लाख से अधिक महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षित किया गया है। प्रशिक्षण के कारण महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ गया है और उन्होंने अपना व्यवसाय शुरू किया है। इसके चलते उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है।

राज्य में 2.79लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से 27लाख से अधिक परिवार जुड़े हैंइनमें से 23लाख से अधिक महिलाओं को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमायोजनापीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) औरआयुष्मानभारतप्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के अंतर्गत जीवन बीमा और स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ प्राप्त हुआ है।

राज्य के 1,18,000 समूहों को माइक्रो फाइनेंस के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के लिए 4338 करोड़ रुपए का ऋण दिया गया है। राज्य में 1,13,287 नए स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है और 1,56,214 समूहों को फिर से सक्रिय किया गया है। राज्य में अभी कुल 2,69,507 स्वयं सहायता समूह संचालित हैं।

कुपोषण को दूर करने और महिलाओं के लिए आय के स्रोत बढ़ाने के उद्देश्य से एग्री न्यूट्री गार्डन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिसमें स्वयं सहायता समूहों को उत्तम गुणवत्ता वाले बीज प्रदान कर न्यूट्री गार्डन बनाने के लिए सहायता की जाती है।

पश्चिम रेलवे द्वारा छह जोड़ी सुपर फास्ट स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

यात्रियों की सुविधा तथा यात्रा की मांग को पूरा करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे ने विशेष किराये पर छह जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरों में विस्तार किया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः- 1.ट्रेन नंबर 02200 बांद्रा टर्मिनस- वीरांगना लक्ष्मीबाई साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 31 अगस्त, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 02199 वीरांगना लक्ष्मीबाई साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 29 अगस्त, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

2. ट्रेन संख्या 04126 बांद्रा टर्मिनस- सूबेदारगंज साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 27 अगस्त, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04125 सूबेदारगंज - बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल को 26 अगस्त, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

3.ट्रेन संख्या 01920 अहमदाबाद-आगरा कैंट त्रि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 01 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 01919 आगरा कैंट - अहमदाबाद त्रि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 31 अगस्त, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

4.ट्रेन संख्या 01906 अहमदाबाद - कानपुर सेंट्रल साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 27 अगस्त, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 01905 कानपुर सेंट्रल-अहमदाबाद साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 26 अगस्त, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

5.ट्रेन संख्या 04166 अहमदाबाद-आगरा कैंट साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 29 अगस्त, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04165 आगरा कैंट - अहमदाबाद साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 28 अगस्त, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

6.ट्रेन संख्या 04168 अहमदाबाद-आगरा कैंट साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 26 अगस्त, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04167 आगरा कैंट - अहमदाबाद साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 25 अगस्त, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

ट्रेन संख्या 02200, 04126, 01920, 01906, 04166 और 04168 के विस्तारित फेरो की बुकिंग 31 जुलाई, 2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया .ahlिb.grहीगr,dn.gh. पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर "एक स्टेशन एक उत्पाद" (OSOP)

योजना के अंतर्गत 30 दिनों के लिए स्टाल आवंटित

भारतीय रेल ने भारत सरकार के 'वोकल फॉर लोकल' विजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'एक स्टेशन एक उत्पाद' (ध्एध्ङ) योजना शुरू की है । इसका उद्देश्य स्थानीय और स्वदेशी उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने के साथ-साथ समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर पैदा करना है। इस योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर स्वदेशी/स्थानीय उत्पादों के प्रदर्शन, बिक्री और हाई विजिबिलिटी के लिए एक स्टेशन एक उत्पाद आउटलेट आवंटित किए जाते हैं।

ठएक स्टेशन एक उत्पादठ (ओएसओपी) योजना के अंतर्गत, ठअहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि एक प्रतिभाशाली कारीगर, जो अपने उत्कृष्ट ठकढ़ाई और जरी, जरदोशीठ कार्य के लिए प्रसिद्ध है, को 30 दिनों के लिए एक स्टाल आवंटित की गई है। हम रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को प्रामाणिक क्षेत्रीय उत्पाद प्रदान करके उसकी शिल्प कौशल और रचनात्मकता कार्यो को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इन दुकानों ने इन विक्रेताओं के जीवन पर बहुत प्रभाव डाला है। उन्हें ऐसी जगह पर अपने स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक शानदार मंच मिल गया है, जहां भारी संख्या में लोग आते हैं। इससे उनके उत्पादों की बिक्री बढ़ी है और उनके जीवन में बदलाव आया है।

पश्चिम रेलवे चलायेगी अहमदाबाद और ओखा के बीच जन्माष्टमी स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली, 29 जुलाई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जन्माष्टमी त्योहार के मद्देनजर अहमदाबाद और ओखा के बीच जन्माष्टमी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन विशेष कराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 09453 अहमदाबाद-ओखा स्पेशल 25 अगस्त 2024 (रविवार) को अहमदाबाद से प्रातः 07:45 बजे प्रस्थान करेगी तथा उसी दिन 17:00 बजे ओखा पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09454 ओखा-अहमदाबाद स्पेशल 26 अगस्त 2024 (सोमवार) को ओखा से प्रातः 05:30 बजे प्रस्थान करेगी तथा उसी दिन 15:00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन चांदलोडिया, विरमगाम, सुरेंद्रनगर, थान, वांकानेर, राजकोट, हापा, जामनगर, खंभालिया एवं द्वारका स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में स्लीपर और जनरल श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 09453/09454 की बुकिंग दिनांक 31.07.2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के मार्ग, समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.iåianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

एचएमडी इंडिया के स्मार्टफोन पोर्टफोलियो के लिए अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ब्रांड एंबेसडर नियुक्त

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 2024- स्टाइल और तकनीक के मिश्रण के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि ह्यूमन मोबाइल डिवाइसेज (एचएमडी) ने बहुमुखी बॉलीवुड अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा के साथ हाथ मिलाया है, जो कंपनी के आगामी स्मार्टफोन के लिए ब्रांड के प्रमुख चेहरे के रूप में नजर आएंगी। लाइन-अप की शुरुआत एचएमडी क्रेस्ट से होगी, जो अपने ऊर्जावान प्रदर्शन, नृत्य और फैशन-फ़ॉरवर्ड शैली के लिए जानी जाती है, वह एचएमडी के आगामी 360-डिग्री अभियान का नेतृत्व करेगी, जो फैशन, शैली और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के आसपास ब्रांड के अंतर्निहित व्यक्तित्व का प्रतिनिधित्व करता है। .

ह्यूमन मोबाइल डिवाइसेस के साथ सान्या की साझेदारी भारत भर में स्टाइल के प्रति जागरूक दर्शकों को अभिनव और अभिव्यंजक मोबाइल अनुभव प्रदान करने के कंपनी के मिशन में एक महत्वपूर्ण क्षण है।

इस सहयोग पर टिप्पणी करते हुए, एचएमडी इंडिया और एपीएसी के वीपी रवि कुंवर ने कहा, ''हमें ह्यूमन मोबाइल डिवाइसेज परिवार में सान्या मल्होत्रा का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। सान्या वास्तव में एक अद्वितीय प्रतिभा है और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर विभिन्न प्रकार की आकर्षक सामग्री के साथ खुद को अभिव्यक्त करने की उनकी दुर्लभ क्षमता के साथ-साथ स्क्रीन पर लगातार मजबूत प्रदर्शन देने की उनकी क्षमता ग्राहक के साथ जुड़ने के हमारे तरीकों से पूरी तरह मेल खाती है। विविधता चाहने वाले और स्टाइल के प्रति जागरूक युवा दर्शकों के लिए इसकी अपील उन मोबाइल अनुभवों को प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो न केवल तकनीकी रूप से उन्नत हैं। लेकिन वास्तव में व्यक्तिगत शैली को व्यक्त करता है।''

अपने नए सहयोग के बारे में समान रूप से उत्साहित, सान्या मल्होत्रा ने कहा, ''मैं ह्यूमन मोबाइल डिवाइसेस के साथ साझेदारी करके रोमांचित हूं। यह एक ऐसा ब्रांड है जिसमें स्मार्टफोन तकनीक और आत्म-अभिव्यक्ति का अनूठा मिश्रण है। यह विज्ञापन अपने लक्षित दर्शकों से जुड़ने और अपनी स्टाइलिश और इनोवेटिव स्मार्टफोन रेंज के बारे में उत्साह पैदा करने की ह्यूमन मोबाइल डिवाइसेस की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कंपनी प्रीमियम गुणवत्ता वाले उपकरणों की पेशकश करके ग्राहक अनुभव को बढ़ाने के लिए तैयार है जो प्रतिस्पर्धी कीमतों पर फैशनेबल डिजाइन के साथ अत्याधुनिक तकनीक का मिश्रण है।

- 49.23 billion units cumulative formulations manufacturing capacity annually#
- Partnered with 1524 Indian & MNC pharma and wellness companies#
- 4,146 commercialised formulations across 60 dosage forms
- Operating 4 dedicated R&D units with a team of 406 R&D scientists
- Operate 12 manufacturing units along with our subsidiaries#
- Conscious community engagement by providing healthcare, cleanliness, blood donation and education initiatives

Source: Independent Market Research on the Overview of the Global and Indian Contract Development & Manufacturing Organization Industry" dated February 6, 2024 ("F&S Report") | +By value during FY 2024, as per F&S Report | #As of March 31, 2024

Risk Factors: Our manufacturing units and R&D centres are (i) concentrated in Haridwar, Uttarakhand and we are exposed to risks originating from economic, regulatory, political and other changes in this region, including natural disasters; (ii) subject to slowdown or shutdown; and (iii) subject to periodic inspections by regulatory authorities and clients making us subject to regulatory actions which may damage our reputation, and all of which could adversely affect our business, results of operations and financial condition. | Any manufacturing or quality control concerns or our inability to deliver products on a timely basis, or at all, could result in the cancellation of purchase orders, breaches of relevant agreements, and termination of agreements by our clients and distributors, which could adversely affect our business, results of operations, and financial condition. | Our business is dependent on the sale of products to a limited number of clients for a significant portion of our revenues. The loss of such clients or the deterioration of their financial condition could adversely affect our business, results of operations and financial condition. | We export our products to regulated and semi-regulated markets and a failure to comply with the regulatory and other requirements of such markets could adversely affect our business, results of operations, and financial condition. | The F&S Report and the data included therein is subject to various limitations as it is based on certain assumptions and conditions that are subjective in nature.

AKUMS DRUGS AND PHARMACEUTICALS LIMITED is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make an initial public offer of its equity shares of face value of ₹ 2 each ("**Equity Shares**") and has filed the red herring prospectus dated July 24, 2024 ("**RHP**") with the Registar of Companies, Delhi and Haryana at New Delhi ("**RoC**"). The RHP shall be made available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in, the websites of the Stock Exchanges i.e., BSE and NSE at www.bseindia.com and www.nseindia.com, respectively, and the websites of the BRLMs, i.e., ICICI Securities Limited, Axis Capital Limited, Citigroup Global Markets India Private Limited and Ambit Private Limited at www.icicisecurities.com, www.axiscapital.co.in, www.online.citibank.co.in/rhtm/citigroupglobalscreen1.htm and www.ambit.co, respectively. Potential Bidders should note that investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to such risk, please see the section titled "*Risk Factors*" on page 28 of the RHP. Potential Bidders may rely on the information disclosed in the RHP as being true and correct.

This announcement does not constitute an invitation or offer of securities for sale in any jurisdiction. The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act or any other applicable law of the United States and, unless so registered, may not be offered or sold within the United States except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act and applicable state securities laws. Accordingly, the Equity Shares are being offered and sold (i) within the United States solely to persons who are reasonably believed to be "qualified institutional buyers" (as defined in Rule 144A under the Securities Act) pursuant to Section 4(a) of the Securities Act, or (ii) outside the United States in "offshore transactions" as defined in and in compliance with Regulation S under the Securities Act and the applicable laws of the jurisdiction where those offers and sales occur. There will be no public offering of the Equity Shares in the United States.

Adfactors

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95